राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्टेटमेन्ट टुडे

RNI No: UPHIN/2016/67528 StatementToday @statement_today

वर्ष 9 अंक 26 लखनऊ, सोमवार 03 नवम्बर से 09 नवम्बर 2025 पृष्ठ 12 मूल्यः 2.00 रुपये

उप्र की राजधानी लखनऊ से प्रकाशित एवं लखनऊ, गोरखपुर, बुन्देलखण्ड, पटना, सीवान, गोपालगंज, दिल्ली से प्रसारित

जहान मुझे जो गिफ्ट देता है, वो पहले से मेरा ही 3

एक मैच, जिसने बदला महिला क्रिकेट का 6

जबरन जमीन कब्जाने वालों पर 9

जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर दिल्लीवासी

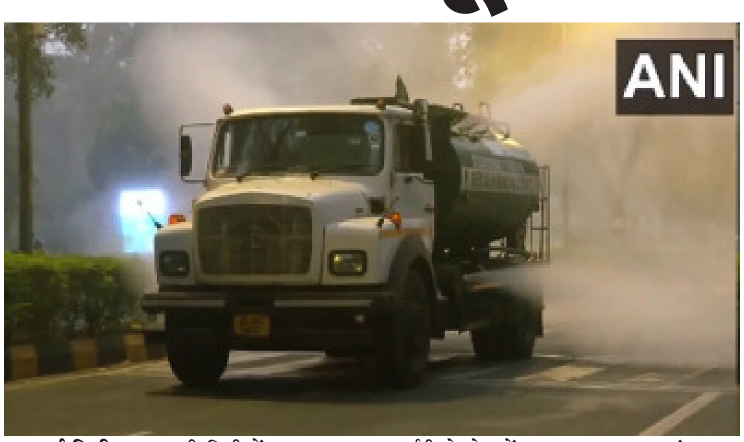

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण फिर से लोगों के लिए चिंता का विषय बन गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब स्तर पर पहुंच चुका हैादिल्ली के आईटीओ क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक 275 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। अक्षरधाम और उसके आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का स्तर 272 तक पहुंच गया है। (एम्स) के क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक 291 रहा, जो खराब श्रेणी के ऊपरी स्तर की ओर इशारा करता है। लोधी रोड क्षेत्र में स्थिति कुछ बेहतर रही, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 184 दर्ज किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में माना जाता है। यहां प्रदूषण को कम करने के लिए पानी का छिड़काव करने वाली विशेष गाड़ियां तैनात की गई हैं। इसी तरह इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (टी-3) क्षेत्र में सूचकांक 188 रहा, जो मध्यम श्रेणी में शामिल है। पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सबसे चिंताजनक पाई गई, जहां सूचकांक 298 तक पहुंच गया। बवाना में वायु गुणवत्ता सूचकांक 3०1 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी की शुरुआत को दर्शाता है। चांदनी चौक में यह स्तर 299 रहा और आर.के. पुरम में 298 तक पहुंच गया। बुराड़ी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक 264 मापा गया। सीपीसीबी के अनुसार, शुक्रवार को हवा उत्तर-पूर्व दिशा से 5 किलोमीटर प्रतिघंटे के गति से चली।

भारत-अमेरिका के बीच ऐतिहासिक समझौता, दोनों देशों में 1० साल के रक्षा सहयोग ढांचे पर बनी सहमति

वॉशिंगटन,(एजेंसी)। राजनाथ ने इससे पहले अगस्त में वाशिंगटन में हेगसेथ से मिलने की योजना बनाई थी लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयात पर टैरिफदोगुना करके 5०ः कर दिया और दोनों देशों के बीच संबंध दशकों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए, जिसके बाद राजनाथ सिंह की अमेरिका यात्रा रद्द कर दी गई थी। भारत और अमेरिका के बीच एक 1० वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों देशों के रिश्तों के लिए इसे अहम समझौता बताया जा रहा है। अमेरिका के युद्ध मंत्री ने समझौते पर हस्ताक्षर के बाद कहा कि दोनों देशों के रक्षा संबंध इतने मजबूत कभी नहीं रहे। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उनकी भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात हुई और एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ समझौता क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि सूचनाएं साझा करने, तकनीकी सहयोग बढ़ाने में हम अपने समन्वय को बेहतर कर रहे हैं। राजनाथ सिंह बोले- दोनों देशों के संबधों में रक्षा क्षेत्र अहम स्तंभ भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समझौते को लेकर कहा कि मुझे लगता है कि आज रक्ष ढांचा समझौते पर हस्ताक्षर के बाद एक नए अध्याय की शुरुआत होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ये समझौता भारत और अमेरिका के बीच की रक्षा साझेदारी की नीतियों को तय करने में मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि श्हमारे द्विपक्षीय संबंधों में रक्षा क्षेत्र एक अहम स्तंभ है। एक मुक्त, नियम आधारित हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के लिए हमारी साझेदारी बेहद अहम है। यह समझौता दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक सहयोग के मजबूत होने का संकेत है।श टैरिफके कारण रद्द हुई थी पिछली मुलाकात राजनाथ ने इससे पहले अगस्त में वाशिंगटन में हेगसेथ से मिलने की योजना बनाई थी लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयात पर टैरिफदोगुना करके 5०ः कर दिया और दोनों देशों के बीच संबंध दशकों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए

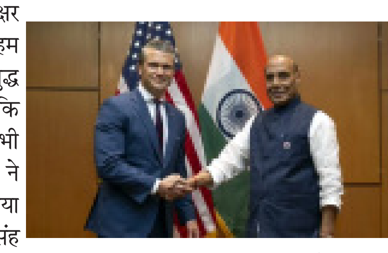

सैन्य ताकत के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता भी जरूरी... युद्ध की बदलती प्रकृति पर बोले थल सेना प्रमुख

नई दिल्ली,(एजेंसी)। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि आजकल युद्ध का स्वरूप बदल रहा है और अब यह ज्यादातर बिना प्रत्यक्ष संपर्क के और तकनीक आधारित हो गया है। इसलिए सेना को सिर्फसैन्य शक्ति ही नहीं, बल्कि बौद्धिक और नैतिक क्षमता की भी जरूरत है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे थिंक टैंक, प्रयोगशालाओं आदि सभी जगह अपनी भूमिका निभाएं। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा कि युद्ध अब तेजी से संपर्क रहित होते जा रहे हैं। इसलिए इसके जवाब में सैन्य ताकत के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता और नैतिक तैयारी की भी जरूरत है। यह बात उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की 15०वीं जयंती पर नई दिल्ली के मानेकशॉ केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि युवाओं की भूमिका थिंक टैंक, प्रयोगशालाओं और युद्धक्षेत्र जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में होनी चाहिए। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी सेना के अधिकारियों, छात्रों और रक्षा विशेषज्ञों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम सेना और रक्षा थिंक-टैंक सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज की ओर से श्चाणक्य डिफेंस डायलॉगरू यंग लीडर्स फोरमश् के तहत आयोजित हुआ। मुख्य भाषण में सेना प्रमुख ने युद्ध की बदलती प्रकृति और उसके अनुसार रणनीतिक प्रतिक्रिया की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, युद्ध अब तेजी से गैर-गतिशील और बिना प्रत्यक्ष संपर्क वाला होता जा रहा है, इसलिए इसका सामना करने के लिए सैन्य ताकत, बौद्धिक क्षमता और नैतिक तैयारी जरूरी है।

बच्चों को बंधक बनाने वाले रोहित आर्य का पुणे में हुआ अंतिम संस्कार, पत्नी और बेटा रहे मौजूद

पुणे। बच्चों समेत 19 लोगों को बंधक बनाने वाले रोहित आर्य का शनिवार तड़के पुणे में अंतिम संस्कार कर दिया गया। 5० वर्षीय रोहित आर्य ने 1०-12 साल के सत्रह बच्चों और दो व्यस्कों को गुरुवार को मुंबई के पवई इलाके में एक स्टूडियो में बंधक बना लिया था। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने एक समन्वित कार्रवाई करते हुए बच्चों को छुड़ाया। करीब तीन घंटे चले इस ऑपरेशन में सुरक्षाबलों ने रोहित को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। जेजे अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के बाद पुणे ले जाया गया शव रोहित के शव का मुंबई के जेजे अस्पताल में पोस्टमार्टम हुआ और फिर उसका शव पुणे उसके घर ले जाया गया। शनिवार तड़के रोहित आर्य का अंतिम संस्कार कर दिया गया, जिसमें रोहित की पत्नी, बेटा और परिवार के अन्य करीबी लोग ही शामिल हुए। पुलिस के अनुसार, रोहित बीते कुछ समय से अपने परिवार से अलग रह रहा था। शुरुआती जांच में पता चला है कि रोहित का हाल के वर्षों में अपने परिवार के साथ बहुत कम संपर्क था। सरकारी टेंडर का पैसा नहीं मिलने का दावा रोहित आर्य पुणे का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि रोहित आर्या को एक स्कूल के काम का सरकारी टेंडर मिला हुआ था। रोहित का कहना है कि उसे अपने द्वारा किये गए।

आरएसएस पर बैन लगाना चाहिए-खड़गे

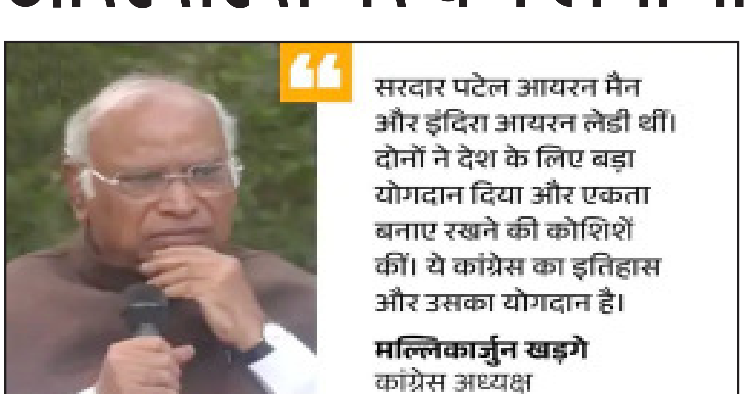

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनकी निजी राय में आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि देश की ज्यादातर कानून-व्यवस्था की समस्याएं भाजपा और आरएसएस से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि खुद सरदार पटेल ने महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस की आलोचना की थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कहा कि उनकी व्यक्तिगत राय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए

पीएम बोले- पटेल चाहते थे पूरा कश्मीर हमारा हो

केवड़िया,(एजेंसी)। राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में दिए अपने भाषण में पीएम मोदी ने कहा कि श्एक बार सरदार पटेल ने कहा था कि देश सेवा से बड़ा कोई सुख नहीं है। मैं भी मानता हूं कि खुद को देशसेवा के लिए समर्पित करने से बड़ा सुख नहीं है।श् देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 15०वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के केवड़िया में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएम मोदी ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है

बिहार चुनाव– एनडीए का संकल्प पत्र

केजी-पीजी तक मुफ्त शिक्षा: 1 करोड़ नौकरी का वादा

1. पहली कैबिनेट में 10 लाख स्थायी या सरकारी नौकरी
2. नियोजित शिक्षकों को वेतनमान, सभी कॉन्ट्रैक्ट कर्मियों को रेगुलर करेंगे।
3. समान काम, समान वेतन, निजीकरण समाप्त करेंगे
4. 1500 रुपए बेरोजगारी भत्ता, एग्जाम फॉर्म और ट्रांसपोर्टेशन फ्री करेंगे।
5. एक साल के भीतर सभी सरकारी कर्मियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम लागू करेंगे।
6. बिहार में बिजली दर को कम करेंगे।
7. बिहार में खेल यूनिवर्सिटी और हर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना करेंगे।

पटना,(एजेंसी)। भाजपा–जदयू की अगुवाई वाले गठबंधन एनडीए ने शुक्रवार को बिहार का चुनाव घोषणा पत्र जारी कर दिया। गठबंधन ने इसमें हर उस चुनावी नुस्खे को आजमाया है जो उसके लिए किसी न किसी चुनाव में जिताऊ साबित हुआ है। इसमें महिलाओं, किसानों, युवाओं और पिछड़ों गरीबों पर दांव लगाया गया है। एनडीए ने अपने संकल्प पत्र में बिहार के विकास का वह सपना दिखाया है जिसकी बात मोदी हमेशा करते रहे हैं। मोदी सरकार ने मूलभूत ढांचे में भारी निवेश कर देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का काम सफलतापूर्वक किया है। अब एनडीए के संकल्प पत्र में उसी नुस्खे से बिहार का विकास करने का वादा किया गया है। एनडीए के संकल्प पत्र पर पूरी तरह मोदी सरकार की योजनाओं की छाप दिखाई दे रही है। 2०19 के लोकसभा चुनाव में किसान सम्मान निधि और पीएम आवास योजना ने भाजपा को अभूतपूर्व सफलता दिलाई थी। इन्हीं योजनाओं के दम पर पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने अकेले दम पर 3०3 सीटें हासिल करने का करिश्मा कर दिखाया था। अब इसी योजना के सहारे बिहार फतह करने की तैयारी है। एनडीए ने अपने घोषणा पत्र में गरीब परिवारों को 5० लाख नए पीएम आवास मकान देने का वादा किया है। अति पिछड़े और गरीब दलित लोगों के बीच इस योजना को लेकर जबरदस्त आकर्षण है। ऐसे में यह दांव गेम चेंजर साबित हो सकता है। कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि के सहारे किसानों–अति पिछड़ों को साधा केंद्र सरकार पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में किसानों को हर साल छः हजार रूपये की आर्थिक सहायता दे रही है। अब बिहार में किसानों को इसके अलावा 3००० रुपये की अतिरिक्त आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसे बिहार के अति पिछड़े वर्गों के महान नेता कर्पूरी ठाकुर से जोड़ते हुए कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि का नाम दिया जाएगा। अति पिछड़ी जातियों के बीच यह एक भावनात्मक संदेश देने वाली योजना है। मोदी–नीतीश दोनों को मिला महिला मतदाताओं का साथ इसी तरह महिला मतदाता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ–साथ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए भी विशेष समर्थक वर्ग बनकर उभरी हैं। दोनों नेताओं ने अपने इस वर्ग को साधने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। केंद्र सरकार की योजना लखपति दीदी को अब बिहार में करोड़पति बना दिया गया है। यानी बिहार में एक करोड़ लखपति ड्रोन दीदियां बनाने का वादा किया गया है। केजी से पीजी तक की मुफ्त शिक्षा का वादा कर एनडीए ने महिलाओं और गरीबों को बड़ा उपहार देने की कोशिश की है। अति पिछड़ों के लिए विशेष आर्थिक सहायता प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार 18 कामगार जातियों को 1० लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता कर उन्हें आर्थिक विकास करने का अवसर दे रही है। केंद्र सरकार ने जब इस योजना का ऐलान किया था, तभी माना गया था कि मोदी सरकार इसके सहारे बिहार–यूपी के अति पिछड़े गरीब कामगरों की स्थिति को बेहतर करने की योजना बना चुकी है। अब इसी योजना को बिहार में अति पिछड़ी गरीब जातियों के लिए लागू करने का वादा किया गया है। एनडीए के संकल्प पत्र में केवट, मल्लाह, तेली, धानुक, धोबी और माली जैसी जातियों को 1० लाख रूपये तक का सस्ता कर्ज देकर उन्हें विकास करने का अवसर दिए जाने का वादा किया गया है। आयुष्मान योजना और मेट्रो का विस्तार केंद्र सरकार की आयुष्मान योजना काफी चर्चित रही है। देश के करोड़ों परिवारों ने इस योजना के माध्यम से अपना लाखों का इलाज का खर्च बचाया है। अब बिहार में केंद्र सरकार से अलग पांच लाख रूपये तक का इलाज कराने की सुविधा देने का वादा किया गया है। इसके लिए बिहार में स्वास्थ्य योजनाओं पर निवेश करना होगा। इस समय की एक सच्चाई यह भी है कि बिहार में स्वास्थ्य विभाग में लगभग आधे पद खाली पड़े हुए हैं। ऐसे में यदि एनडीए चुनाव जीतता है तो आयुष्मान योजना को जमीन पर उतारने के लिए उसे स्वास्थ्य विभाग में निवेश पर भी ध्यान देना होगा। युवाओं को एक करोड़ नौकरी, ग्लोबल स्तर की स्किल ट्रेनिंग आर्थिक ढांचे में निवेश से केंद्र ने देश की अर्थव्यवस्था को लगातार गतिशील बनाए रखने का काम किया है।

तेजस्वी ने एनडीए के घोषणापत्र को `माफी पत्र' बताया

पटना,(एजेंसी)। तेजस्वी यादव ने एनडीए के घोषणापत्र को श्माफी पत्रश् बताते हुए तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि 2० साल के शासन के बावजूद बिहार के गरीब रहने और पिछली प्रतिबद्धताएँ पूरी न होने के कारण एनडीए को 14 करोड़ जनता से माफी मांगनी चाहिए। यादव ने सीएम नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर भी सवाल उठाते हुए घोषणापत्र की प्रासंगिकता पर संदेह जताया। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घोषणापत्र पर निशाना साधते हुए मांग की कि गठबंधन को जनता से माफी मांगनी चाहिए और अपने श्संकल्प पत्रश् की जगह श्माफी पत्रश् जारी करना चाहिए, क्योंकि पिछले चुनावी वादे पूरे नहीं हुए हैं और नए वादे किए गए हैं। राजद नेता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव शुरू होने से छह दिन पहले जारी किए गए एनडीए के श्संकल्प पत्रश् में क्या लिखा है, इस बारे में शायद सीएम को भी जानकारी नहीं है। तेजस्वी यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा कि हम कहना चाहते हैं कि हमने जो देखा है, उसके आधार पर एनडीए को एक श्माफी पत्रश् लाना चाहिए और बिहार के चौदह करोड़ लोगों से माफी मांगनी चाहिए कि बीस साल शासन करने के बाद भी बिहार सबसे गरीब राज्यों में से एक है। राज्य में कारखानों और निवेश की कमी की निंदा करते हुए, राजद नेता ने कहा, ष्न कोई कारखाना है, न कोई निवेश। सरकार सभी क्षेत्रों में विफल रही है, इसलिए उन्हें माफी पत्र लाना चाहिए था। अगर आप उनके बीस साल के झूठे मजाक को देखें, तो बीस साल तक उनके द्वारा किए गए वादे। बीस साल से वे जो भी घोषणापत्र लेकर आए हैं, उस घोषणापत्र में यह भी बताना चाहिए कि हमारे साथ क्या हुआ?ष् राज्य में और अस्पताल बनाने के वादे की आलोचना करते हुए, यादव ने आरोप लगाया कि बुनियादी ढाँचा तो बन सकता है, लेकिन अस्पतालों में डॉक्टर और नर्स तक नहीं होंगे। यादव ने कहा कि उन्होंने कहा था कि हर जिले में अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बनेंगे। मेडिकल कॉलेज में न डॉक्टर हैं, न नर्स। न दवा है, न इलाज। कुछ भी नहीं हो रहा है। तो इसी हिसाब से, अगर आप देखें तो इन लोगों को माफीनामा भेजिए। इन लोगों को बिहार की 14 करोड़ जनता से माफी मांगनी चाहिए। महागठबंधन की चुनाव जीत का भरोसा जताते हुए यादव ने कहा कि जनता अब एनडीए के चाल चरित्र को समझ गई है और उनके गठबंधन को जीत दिलाएगी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फजुमला है। बिहार की जनता उनके चाल चरित्र को पहचान गई है। वे इस बार एनडीए को करारा जवाब देंगे। महागठबंधन सरकार बनाएगा। राज्य की जनता बेरोजगारी खघ्त्म करना चाहती हैष् बिहार में एनडीए के सदस्यों ने शुक्रवार को पटना में संयुक्त रूप से अपना घोषणापत्र श्संकल्प पत्रश् जारी किया। घोषणापत्र में, एनडीए ने एक करोड़ से ज्यादा सरकारी नौकरियाँ और रोजगार के अवसर प्रदान करने, कौशल–आधारित रोजगार प्रदान करने के लिए कौशल जनगणना कराने और हर जिले में मेगा कौशल केंद्र स्थापित करने का वादा किया है, जिससे बिहार एक श्वैश्विक कौशल केंद्रश् बन जाएगा।

कीचड़ में कमल खिलेगा–योगी

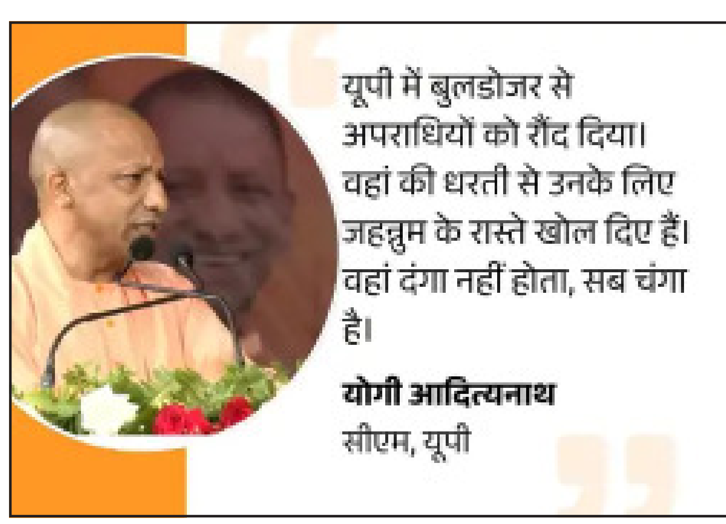

सीवान,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आज शुक्रवार को बिहार के 3 जिलों में सभा हो रही है। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ वैशाली के लालगंज पहुंचे हैं। वैशाली में सभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा– श्इतनी बारिश के बीच भी आपलोग यहां आए, इसके लिए मैं धन्यवाद देता हूं। मुझे लोगों ने कहा था कि वैशाली में कार्यक्रम नहीं हो पाएगा, क्योंकि वहां पानी भरा हुआ है।श् श्आप कीचड़ में खड़े हैं, और मैं जानता हूं आपकी मेहनत कीचड़ में कमल खिलाने का काम करेगी।श् कांग्रेस और राजद राम मंदिर का विरोध करते हैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा– श्कांग्रेस और राजद राम मंदिर का विरोध करते हैं। कांग्रेस ने कोर्ट में कहा था कि राम हैं ही नहीं।श् वहीं बिहार में राजद ने राम मंदिर के रथ को भी रोका था। इनके पार्टनर यूपी में राम भक्तों पर गोली चलाती है। श्इन सबकी परवाह किए बगैर राम भक्त कहते थे रामलला आएंगे और मंदिर वहीं बनाएंगे। हमने मंदिर बनाया। अब सीतामढ़ी में मां जानकी का मंदिर बनेगा।श् श्मैं ये कहने आया हूं जिस चुनाव में प्रचार के लिए राहुल गांधी उतरते हैं, वो चुनाव एनडीए जीतती है।श् सीवान में कहा– अपराधी कांग्रेस–राजद के शागिर्द इससे पहले सीवान में सभा हुई। इस दौरान सीएम योगी ने राजद और कांग्रेस पर हमला बोला। अपने 3० मिनट के भाषण में जंगलराज की याद दिलाते हुए कहा, श्आरजेडी के शासन में बिहार में अराजकता थी। इन्होंने केवल परिवारवाद पर काम किया है।श् श्याद रखना अगर कांग्रेस–राजद जीतती है तो पहले आपका राशन बंद करेंगे। फिर नौकरी के नाम पर आपकी जमीन हड़प लेंगे। ये विकास तो नहीं कराएंगे, लेकिन इसके नाम अपराधियों का तांडव करवाएंगे। अपराधी कांग्रेस–राजद के शागिर्द हैं।श् माफिया सत्ता में वापसी करना चाहते हैं योगी तीन दिनों में दूसरी बार सीवान पहुंचे है। वो एनडीए प्रत्याशी और बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा, श्परसों में रघुनाथपुर आया था, इसलिए आया था क्योंकि वहां एक माफिया फिर से कब्जा करना चाहता है।श् रघुनाथपुर से महागठबंधन की ओर से राजद ने शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा को उतारा है। छक। काम में विश्वास करता है एनडीए काम करने में विश्वास रखता है। झूठे वादे नहीं करता, दिखावा नहीं करता। हमने कहा था कि रामलला का मंदिर बनाएंगे, हमने बनाया। अब माता सीता के मंदिर की बारी है। हमने कहा था न कि यूपी में आएंगे तो दंगे–फसाद बंद करवाएंगे। साढ़े 8 साल में वहां कोई दंगा नहीं हुआ। गाड़ियों से महिलाओं को सभा में लाया गया बारिश के कारण गांधी मैदान में पानी भर गया है। जिस कारण सभा में भीड़ नहीं जुटी, जिसके बाद मंच से कई बार लोगों को आने की अपील की गई। फिर भी लोग नहीं जुटे तो गाड़ियों से महिलाओं को सभा स्थल लाया गया। योगी आदित्यनाथ की आज भोजपुर और वैशाली में भी जनसभा होगी। कार्यक्रम स्थल पर आधा से ज्यादा कुर्सियां खाली है। कार्यक्रम स्थल पर आधा से ज्यादा कुर्सियां खाली है। यूपी में दंगा नहीं सब चंगा है: ब्ड योगी सीवान में यूपी सीएम ने कहा, श्अब उत्तर प्रदेश में दंगा नहीं होता, सब चंगा है। एनडीए ने यूपी में वादा किया था कि वहां माफिया राज और दंगों को खत्म करेंगे। पिछले साढ़े आठ सालों में एक भी दंगा नहीं हुआ है और जब किसी ने दंगा भड़काने की कोशिश की, तो उसे न सिर्फ जेल में डाला गया, बल्कि उसकी संपत्ति जब्त करके उससे गरीबों के लिए घर बनवाए गए।श् खानदानी माफिया कब्जा करना चाहता है: ब्ड योगी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ष्मैं परसों रघुनाथपुर में आया था और वहां मैं इसलिए आया था क्योंकि एक खानदानी माफिया वहां पर फिर से कब्जा करना चाहता है। उत्तर प्रदेश में हमने बुलडोजर से रौंद –रौंदकर इन माफियाओं का कचूमर निकालकर उत्तर प्रदेश की धरती से जहन्नुम के रास्ते उनके खोल दिए हैं।पिछले 2० वर्ष में नीतीश बाबू के नेतृत्व में सुशासन की नींव मजबूत हुई है।ष भोजपुर में भी योगी की सभा होगीउत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज भोजपुर जिले के दौरे पर रहेंगे।

मेल ईगो से कैसे निपटती हैं जाह्नवी ?

बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस जान्हवी कपूर हाल ही में टॉक शो 'टू मच विद ट्विंकल एंड काजोल' में पहुंची थी. जहां पर एक्ट्रेस ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफको लेकर खुलकर बात की थी. इसी दौरान उन्होंने एक अजीब खुलासा भी किया. एक्ट्रेस ने बताया कि वो कैसे फिल्म इंडस्ट्री में मर्दों के ईगो से निपटती हैं. जानिए एक्ट्रेस ने क्या कहा... इंडस्ट्री में मेल ईगो से कैसे निपटती हैं जाह्नवी? जान्हवी कपूर ने मेल ईगो से निपटने की ट्रिक के बारे में बात की और बताया कि एक फीमेल एक्ट्रेस होने के नाते वो कई बार अपनी काबिलियत को कम दिखाने या नासमझ होने का नाटक करती हैं. इसकी वजह से उनको अपना काम में काफी आसानी होती है. जान्हवी ने कहा, 卐मैं अपनी लड़ाइयां चुन रही हूं.' ट्विंकल खन्ना ने जताई एक्ट्रेस की बात पर सहमति एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'कई बार मैं ये दिखाती हूं कि मैं इस सीन को परफॉर्म करने के काबिल नहीं हूं, क्योंकि पॉलिटिकली ये सही नहीं होगा. मैं बस कहती हूं, 'मुझे समझ नहीं आ रहा..' जाह्नवी की इस बात पर ट्विंकल खन्ना ने बीच सहमति जताई. एक्ट्रेस ने कहा, 1990 के दशक में उन्हें भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता था. जान्हवी कपूर का वर्कफ्रंट जान्हवी कपूर रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थी. जिसमें उनके साथ वरुण धवन, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफभी अहम किरदारों में थे. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से अधिक की कमाई की है. इसके बाद एक्ट्रेस के बाद कई बड़ी फिल्में हैं. जिनपर वो जल्द ही काम शुरू करेंगी. बता दें कि जाह्नवी दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी और फिल्ममेकर बोनी कपूर की बेटी हैं. जिन्होंने फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में कदम रखा था.

जहान मुझे जो गिफ्ट देता है, वो पहले से मेरा ही होता है शनाया कपूर

अभिनेत्री शनाया कपूर ने भी भाई-बहन के प्यार के इस पर्व से जुड़ी यादें साझा कीं। जानिए उन्होंने क्या कहा? त्योहारों का मौसम आते ही कपूर परिवार में खुशियों की गूंज और रोशनी का जादू फैल जाता है। झिलमिलाती लाइट्स, मीठी खुशबू और हंसी की आवाजें...यही तो है असली दिवाली। संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी, अभिनेत्री शनाया कपूर ने अमर उजाला से एक खास बातचीत में अपने बचपन की यादें, भाई दूज की मस्ती और त्योहारों वाली चमक के बारे में दिल खोलकर बातें कीं। उन्होंने भाई दूज से जुड़े दिलचस्प किस्से शेयर किए... भाई दूज की मस्ती और जहान की श्री-गिफ्टिंगश् चाल भाई दूज की बात करते हुए शनाया हंस पड़ीं। उन्होंने कहा, श्जहान और मैं हर साल एक-दूसरे को छेड़ने का कोई मौका नहीं छोड़ते। वो हमेशा मेरे गिफ्ट पर ओवरड्रामैटिक रिएक्शन देता है, जैसे मैंने उसे कोई बहुत बड़ा सरप्राइज दिया हो। फिर अगले साल वही चीज किसी नए रैपर में मुझे वापस गिफ्ट कर देता है। अब ये हमारी अपनी छोटी-सी परंपरा बन चुकी है। थोड़ा मजाक, थोड़ा प्यार और बहुत सारी हंसी, बस यही है हमारा भाई दूजश। दादी के घर की रोशनी और बचपन की दिवाली शनाया के चेहरे पर मुस्कान ठहर जाती है, जब वो अपने बचपन की दिवाली को याद करती हैं। श्जब हम छोटे थे, दिवाली का मतलब बस एक ही था ... सब लोग दादी के घर इकट्ठे होते थे। पूरा परिवार एक साथ पूजा करता था, दीये जलाता था और फिर बस वही माहौल... रोशनी, हंसी और घर की खुशबू। वो एहसास कभी नहीं भूलताश। दीयों की जिद और बचपन की छोटी जीतें वो आगे कहती हैं, श्हम सब कजिन्स आपस में मुकाबला करते थे कि किसका दीया ज्यादा देर तक जलता है। कभी हवा से बुझ भी जाता था तो हम उसे दोबारा जलाने की जिद करते थे। वो छोटी-छोटी बातें ही आज इतनी बड़ी यादें बन गई हैं।श् नानी के बेसन के लड्डू और घर की मिठास मिठाइयों की बात छिड़ते ही शानाया तुरंत कहती हैं, श्मेरी नानी के बनाए बेसन के लड्डू... बस वही मेरे लिए असली दिवाली हैं। हर साल नानी खुद बनाती हैं और जैसे ही घर में वो खुशबू फैलती है, लगता है दिवाली आ गई। मैं कितनी भी मिठाई खा लूं, लेकिन नानी के हाथ के लड्डू की बात ही कुछ और है। हर बाइट में बचपन का स्वाद होता है।श् फूलों की सजावट और पापा के स्नैक्स की सख्ती दिवाली की तैयारियों को लेकर कपूर परिवार का उत्साह देखने लायक होता है। शानाया बताती हैं, श्मम्मी और मैं मिलकर सजावट करते हैं। हम फूल, दीये, फेयरी लाइट्स सब लगाते हैं। पापा की जिम्मेदारी होती है स्नैक्स की और वो बहुत गंभीरता से इसे निभाते हैं। हर साल कुछ नया ट्राय करते हैं और फिर सबको खिलाते हैं जैसे कोई शेफहों। पूजा के बाद सब एक साथ बैठकर खाते हैं, बातें करते हैं और बस वही पल होते हैं जो पूरे साल याद रहते हैंश। शनाया को पसंद है कैसी ज्वैलरी? फैशन और ज्वैलरी की बात पर शानाया की आंखों में चमक आ जाती है। श्मेरे लिए स्पार्कल का मतलब ओवरद-टॉप होना नहीं है। मैं ऐसा कुछ पहनना पसंद करती हूं जो मेरे मूड के साथ जाए, उसे और निखारे। इंडी नूर का यही फील है... टाइमलेस, खूबसूरत और बेहद वर्सेटाइल। दिवाली पर मैं आमतौर पर स्टेटमेंट इयररिंग्स या लेयर्ड नेकलेस पहनती हूं। ऐसे पीसेज जो हल्के हों, लेकिन एलिगेंट लगें। मैं चाहती हूं कि मेरी ज्वैलरी किसी की पर्सनैलिटी को कम्प्लीमेंट करे, उससे मुकाबला नहीं करे। हर ज्वैलरी में थोड़ी चमक और बहुत सारा आत्मविश्वास होना चाहिए।श् मां-बेटी की श्गेट रेडीश् वाली प्यारी शामें शनाया बताती हैं कि उनकी मम्मी महीप कपूर के साथ उनका एक प्यारा सा दिवाली रिवाज है। एक्ट्रेस ने कहा, श्हर साल हम दोनों साथ में तैयार होते हैं। एक-दूसरे की ज्वेलरी चुनते हैं, कभी-कभी अपनी फेवरेट पीस अदला-बदली भी कर लेते हैं। वो वक्त बहुत खास होता है। न फोन होता है, न किसी शूट की जल्दी। बस मम्मी, मैं और हमारी हंसी। यही हमारे त्योहार की सबसे प्यारी शुरुआत होती है।श् वो पूजा का पल जो दिल को छू जाता है जब उनसे पूछा गया कि दिवाली का कौन-सा पल उन्हें सबसे ज्यादा छूता है, तो वो थोड़ी देर चुप रहकर कहती हैं, श्जब हम सब पूजा के लिए बैठते हैं। सबके फोन साइड में रख दिए जाते हैं, कोई भाग-दौड़ नहीं होती। बस दीये की लौ, कुछ मंत्र और परिवार के चेहरे की चमक। उस पल में दिल से शुक्रिया निकलता है... इस रोशनी के लिए, इस साथ के लिए। तब समझ आता है कि त्योहार असल में इसी एहसास का नाम हैश। शनाया की दिवाली विश शनाया मुस्कुराकर कहती हैं, श्मेरी एक ही विश है कि सब अपनी रोशनी को सच्चा रखें। त्योहार का मतलब यह नहीं कि आप कितना बड़ा जश्न मनाते हैं, बल्कि यह कि आप किसके साथ मनाते हैं। अपनी फैमिली के साथ रहें, खूब हंसें, और वो एक मिठाई जरूर खाएं जो आपको बचपन की याद दिला दे। आखिर दिवाली उसी पल की मिठास से तो चमकती हैश।

संम्पादकीय........

साइबर ठगी का जाल

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े-लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना ट्रू-कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे-जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट-खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं, जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं, लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है। अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है, जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा। पहले इस सुविधा का लेना मांग पर आधारित था, लेकिन बाद में तय किया गया कि यह सुविधा प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता को उपलब्ध करायी जाएगी। विश्वास किया जा रहा है कि अगले साल मार्च तक पूरे देश में यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस सुविधा से किसी सीमा तक मोबाइल के जरिये धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों पर नकेल कसी जा सकेगी। मोबाइल उपयोगकर्ता की सजगता इसमें मददगार हो सकेगी। स्क्रीन पर अनजान नंबर व नाम देखने के बाद मोबाइलधारक फोन कॉल्स को उठाने से बच सकता है। वैसे इसके साथ ही देश में डिजिटल साक्षरता की दिशा में व्यापक पहल करने की जरूरत है। विभिन्न सूचना माध्यमों के जरिये लोगों को सजग-सतर्क किए जाने की आवश्यकता है। शहरों से लेकर ग्राम पंचायतों तक जनजागरण अभियान चलाकर लोगों को बताया जाना चाहिए कि बैंक, सीबीआई, कोर्ट या अन्य प्रवर्तन एजेंसियां कभी फोन करके उनके बैंक खाते या अन्य मामलों की जानकारी नहीं मांगती हैं। ऐसे फर्जी कॉल्स की प्रमाणिकता की पुष्टि करने के लिये हेल्पलाइन सुविधाओं में विस्तार करने की भी जरूरत है। देश में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को भी बाध्य किया जाना चाहिए कि वे उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करके संदिग्ध फोन नंबरों के प्रति सचेत करें।

अकबरी सपनों के शहर में बाकी निशां

लाल पत्थरों में बसा फतेहपुर सीकरी अकबर के सपनों का शहर है, जहां इतिहास आज भी सांस लेता है। बुलंद दरवाजा, जोधाबाई महल, अनूप तालाब और शेख सलीम चिश्ती की दरगाह इसकी पहचान हैं। यह जगह मुगल स्थापत्य, संगीत और सूफी परंपरा का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती है। आगरा जाने वाले हर पर्यटक को ताजमहल के दीदार के साथ-साथ फतेहपुर सीकरी जरूर घूमने की सलाह दी जाती है। फतेहपुर सीकरी के किले की भव्यता आज भी देखने लायक है। इसे मुगल बादशाह अकबर के सपनों का शहर कहा जा सकता है। इसके नाम का अर्थ है 'विजय का शहर'। किले की इमारतों पर हिंदू-मुस्लिम कारीगरी का अनूठा तालमेल झलकता है। आज फतेहपुर सीकरी भले ही सुनसान है, लेकिन कभी यह हिंदुस्तान की गौरवमयी राजधानी रहा है। इसकी स्थापना करीब 450 साल

पहले मुगल बादशाह अकबर ने 1569 से 1585 के बीच करवाई थी। फतेहपुर सीकरी को किलाबंद शहर कहा जा सकता है। हालांकि इसे अधिक समय तक मुगल हुकूमत की राजधानी बनने का गौरव नहीं मिला, लेकिन आज भी यह अनूठे स्थापत्य कला का नमूना पेश करती है। बुलंद दरवाजा, बादशाही दरवाजा, पंच महल, जोधाबाई महल और बीरबल भवन सीकरी की प्रमुख निशानियां हैं। दीवान-ए-खास, दीवान-ए-आम, अनूप तालाब और दौलतखाना भी देखने योग्य हैं। सारा किला लाल पत्थरों से बना है। यहीं बीरबल की हंसी-ठिठोली गूंजती थी और तानसेन के रसमय संगीत से वातावरण सराबोर हो उठता था। सबसे खास है अनूप तालाब। यह एक छोटा-सा ताल है, जो छोटे-छोटे पुलों से जुड़ा है। यहीं तानसेन अपने संगीत से दरबार को मंत्रमुग्ध कर देते थे। ताल के बीचोंबीच स्थित मंच पर तानसेन दिन में चार अलग-अलग राग गाते थे। पर्यटकों को घुमाने वाले गाइड भी रस लेकर कई कहे-अनकहे किस्से सुनाते हैं। मिसाल के तौर पर कहा जाता है कि तानसेन ने अपने रागों से अकबर की बेटी मेहरून्निसा का मन मोह लिया था और उससे विवाह किया था। एक बार राग मेघ मल्हार गा कर तानसेन ने बारिश करा दी थी, और कहा जाता है कि उनका निधन राग दीपक गाते हुए आग से जलने से हुआ था। हालांकि इन कथाओं के ऐतिहासिक प्रमाण नहीं मिलते। इसी किले में एक छोटी-सी इमारत और है, जिसका नाम है 'आंख मिचौली'। कहते हैं कि यह अकबर की सबसे पसंदीदा जगह थी। यहीं वे अपनी बेगमों के साथ खेल खेला करते थे। किले में प्रवेश 175 फुट ऊंचे बुलंद दरवाजे से होता है। कहा जाता है कि बुलंद दरवाजा एशिया का सबसे ऊंचा फाटक है। दरवाजे तक पहुंचने के लिए 52 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। दरवाजे पर पुराने जमाने के किवाड़ आज भी शोभा बढ़ाते हैं। ऊंची चारदीवारी के बीचोंबीच सूफी संत शेख सलीम चिश्ती की दरगाह है। इतिहास बताता है कि शेख सलीम चिश्ती ने बादशाह अकबर और उनकी हिंदू बेगम जोधाबाई को पुत्र रत्न का आशीर्वाद दिया था। पीर बाबा के नाम पर ही अकबर ने अपने बेटे का नाम सलीम रखा। यही नहीं, उन्होंने शेख सलीम चिश्ती के सम्मान में यहां पूरा नया शहर बसाया। आज भी अनेक भक्त शेख सलीम चिश्ती साहब की दरगाह पर पुत्र प्राप्ति की मन्नत मांगते हैं। विशाल बरामदे में सफेद संगमरमर से बनी दरगाह में भक्त गुलाब के फूल और चादर चढ़ाते हैं तथा संगमरमर की जालियों पर पवित्र धागा बांधते हैं। उन्हें विश्वास है कि उनकी मनोकामना अवश्य पूरी होगी। दरगाह की जालियां संगमरमर को बारीकी से नक्काशी कर बनाई गई हैं और हर जाली का डिजाइन दूसरी से अलग है। शेख सलीम चिश्ती की दरगाह सफेद चमकते पत्थरों से निर्मित है। यहां आज भी कव्वालियों की महफिलें होती रहती हैं। हर साल रमजान के पावन महीने में दरगाह पर उर्स मुबारक मनाया जाता है। पास ही एक विशाल जामा मस्जिद है, जिसे मक्का की मस्जिद की तर्ज पर बनाया गया बताया जाता है। इसका डिजाइन हिंदू और पारसी वास्तुकला से प्रेरित है। यह मस्जिद इतनी बड़ी है कि इसमें एक लाख लोग एक साथ नमाज अदा कर सकते हैं। कभी यह सीकरी नाम का छोटा-सा गांव था, जिसे मुगल बादशाह अकबर ने नहीं, बल्कि बाबर ने खोजा था। यहीं बाबर ने राणा सांगा को पराजित किया था। अपनी विजय की खुशी में उसने गांव का नाम 'शुकरी' रखा, जिसका अर्थ है 'शुक्रिया'। बाद में नाम परिवर्तित होकर 'सीकरी' हो गया। सन् 1569 में गुजरात पर विजय प्राप्त करने के बाद अकबर ने इस शहर को बसाया। ऐतिहासिक तथ्य है कि बादशाह अकबर की कोई औलाद नहीं थी। तब उन्होंने अपनी एक बेगम के साथ पैदल अजमेर शरीफस्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर जाकर दुआ मांगी। रास्ते में उन्होंने मशहूर सूफी संत शेख सलीम चिश्ती से भी आशीर्वाद लिया। शेख सलीम चिश्ती ने भविष्यवाणी की कि अकबर के तीन पुत्र होंगे। अकबर ने अपने पहले पुत्र का नाम सलीम रखा और राजधानी सीकरी बसाने का निश्चय किया। लेकिन बाद में पानी की कमी के कारण उसे अपना निर्णय बदलना पड़ा। करीब 16 साल में बने इस किले में अकबर केवल 14 वर्ष ही रहे। फतेहपुर सीकरी जाने से पहले अधिकांश पर्यटक आगरा में ताजमहल देखने पहुंचते हैं। आगरा उत्तर प्रदेश के पश्चिमी भाग में यमुना नदी के किनारे बसा है। दिल्ली से इसकी दूरी लगभग 200 किलोमीटर है। हवाई यात्रा से लगभग 35 मिनट में आगरा पहुंचा जा सकता है। ट्रेन से यह यात्रा 2 घंटे में पूरी होती हैकृशताब्दी ट्रेन नई दिल्ली से आगरा कैंट तक केवल 2 घंटे में पहुंचा देती है। सड़क मार्ग से दिल्ली से आगरा पहुंचने में करीब साढ़े तीन घंटे लगते हैं। आगरा से फतेहपुर सीकरी की दूरी लगभग 36 किलोमीटर है, जो एक घंटे में तय की जा सकती है। यदि पक्षियों की दुनिया से रूबरू होना चाहें, तो आगे भरतपुर जाना भी सुविधाजनक है।

सर्दियों में फतेहपुर सीकरी घूमना सबसे उपयुक्त रहता है। मानसून के दौरान यहां की सैर में बाधाएं रहती हैं, जबकि गर्मियों में यहां घूमना कठिन होता हैकृलू के थपेड़ों के बीच पत्थर की गर्म जमीन पर चलते-चलते पैर झुलस जाते हैं।

सुनियोजित है हरियाणा का विकास मॉडल

राज कुमार सिंह

बेशक हर राज्य विकास के दावे करता है जो पूरी तरह निराधार भी नहीं होते, पर सतत और टिकाऊ विकास तभी सुनिश्चित हो सकता है, जब योजनाएं संतुलित और सुनियोजित हों। इस दृष्टि से, आकार में छोटा होने के बावजूद, हरियाणा का विकास मॉडल हर कसौटी पर खरा उतरता है। पंजाब से अलग होकर 1 नवंबर, 1966 को अस्तित्व में आए हरियाणा को स्वाभाविक ही उन तमाम चुनौतियों से रू-ब-रू होना पड़ा, जिनसे कोई भी नया राज्य होता है लेकिन चुनौतियों के साथ-साथ अपनी विशेषताओं को पहचानते हुए संतुलित विकास माडल से उसकी राह आसान होती गई। बेशक पंजाब से पृथक राज्य बने हरियाणा की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार भी कृषि ही रहा है लेकिन उसकी अपनी सीमाएं भी जगजाहिर हैं। परिवार के साथ-साथ जनसंख्या वृद्धि स्वाभाविक प्रक्रिया है। इसके साथ ही रोजगार के अवसरों की मांग भी बढ़ती है और समग्र विकास की भी जबकि कृषि योग्य भूमि लगातार कम होती जाती है। इन भावी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ही हरियाणा ने कृषि के साथ-साथ औद्योगिक विकास को भी अपने विकास माडल का आधार बनाया। इसमें उसे अपनी कृषि भूमि की उर्वरा शक्ति के साथ ही किसानों की प्रगतिशील सोच और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से निकटता का लाभ भी मिला। यह सच है कि देश की राजधानी दिल्ली की सीमाओं के तीन ओर बसा होने जैसी भौगोलिक विशिष्टता किसी अन्य राज्य को प्राप्त नहीं है लेकिन उसका सही और पूरा लाभ उठाने के लिए जो विकास दृष्टि चाहिए, वह हरियाणा की सरकारों ने दिखाई है। जाहिर है, श्रेय की लड़ाई अक्सर राजनीति में फंस कर रह जाती है लेकिन वास्तव में विकास एक सतत प्रक्रिया है। हां, उसकी दिशा और रफ्तार अवश्य तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व पर निर्भर करती है। चौधरी बंसीलाल को आधुनिक हरियाणा का निर्माता कहा जाता है। इस सच से शायद ही कोई इन्कार कर पाए कि दिल्ली से राज्य की नजदीकी और तत्कालीन केंद्रीय सत्ता में अपनी पहुंच को ध्यान में रखते हुए बंसीलाल ने ही आधुनिक हरियाणा का रोडमैप बनाया। बाद की सरकारों ने अपनी-अपनी समझ और प्राथमिकताओं के अनुसार उस पर अमल किया। चौधरी देवीलाल को शासन करने का ज्यादा समय नहीं मिला। उनके बेटे ओम प्रकाश चौटाला भी एक बार ही अपना मुख्यमंत्रित्वकाल पूरा कर पाए लेकिन भजनलाल और भूपेंद्र सिंह हुड्डा को शासन और विकास पर अपनी छाप छोड़ने का पूरा मौका मिला। इन दोनों के ही मुख्यमंत्रित्वकाल में हुए विकास को नकार तो कोई नहीं सकता, हां अपने जनाधार वाले क्षेत्र पर विशेष फोकस के चलते क्षेत्रवाद के आरोप अक्सर लगाए जाते रहे हैं। आदर्श स्थिति का तकाजा तो यही है कि प्रदेश या देश के मुखिया को जाति, धर्म या क्षेत्रीय संकीर्णता से मुक्त होकर संतुलित और समग्र विकास की दृष्टि रखनी चाहिए, पर सत्ता केंद्रित राजनीति में आदर्शों का लगातार क्षरण ही हम देख रहे हैं। इस दृष्टि से 2014 में हुए सत्ता परिवर्तन को हरियाणा में व्यवस्था परिवर्तन भी माना जा सकता है। पहली बार बहुमत के साथ भाजपा खुद हरियाणा की सत्ता में आई और मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री बनाया गया। एक तो काडर आधारित भाजपा में नेता व्यक्तिगत जनाधार की सोच और दबाव से मुक्त रहते हैं, दूसरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए नारे, 'एक भारत- श्रेष्ठ भारत' का असर। मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी 'हरियाणा एक-हरियाणवी एक' की सोच के साथ आगे बढ़े। हरियाणा में 'लालों' की राजनीति की अक्सर चर्चा होती है, पर राजनीति की चाल असल में चौथे लाल यानी मनोहर लाल ने ही बदली। किसी भी नई सरकार के समक्ष चुनौतियां स्वाभाविक ही हैं लेकिन किसी संकीर्णता या राजनीतिक प्रतिशोधवश काम करने का आरोप भाजपा सरकार पर नहीं लगा। विकास योजनाओं से लेकर सरकारी नौकरियों तक में अक्सर जातिवाद और क्षेत्रवाद के आरोप झेलते रहने वाले हरियाणा की राजनीति और शासकीय प्राथमिकताओं में यह एक नया प्रयोग अंततरू सफल भी साबित हुआ। कह सकते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों की क्षमताओं और संभावनाओं को पहचानते हुए सरकार संतुलित और समग्र विकास की राह पर आगे बढ़ी। मनोहर लाल लगभग 9 साल मुख्यमंत्री रहे और उसके बाद से यह दायित्व नायब सिंह सैनी संभाल रहे हैं। सुनियोजित विकास मॉडल का ही परिणाम है कि आज हरियाणा कृषि के साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में भी लगातार आगे बढ़ रहा है। कृषि क्षेत्र की राष्ट्रव्यापी चुनौतियां किसी से छिपी नहीं हैं लेकिन सर्वाधिक 14 फसलों की खरीद एम.एस.पी. पर सुनिश्चित करते हुए कई योजनाओं के जरिए किसानों को सशक्त बनाने की कोशिश की गई है। अब गुरुग्राम, मानेसर और फरीदाबाद से इतर भी शहरों में औद्योगीकरण की संभावनाओं के द्वार खोले गए हैं। इसके वांछित परिणाम भी सामने आ रहे हैं। कृषि क्षेत्र में रोजगार के सीमित होते अवसरों की चुनौतियों का समाधान औद्योगीकरण की तेज रफ्तार के साथ-साथ सेवा क्षेत्र के विस्तार में भी खोजा जा रहा है। रोजगार के नए अवसरों के अनुरूप युवाओं को तैयार करने के लिए कौशल विकास पर भी जोर है। जाहिर है, सुशासन की दिशा में की गई इन पहल के परिणाम भी सामने आए हैं। अब हर छोटे-मोटे सरकारी काम के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ती तो सरकारी नौकरियां भी मैरिट पर ही मिलने का जन विश्वास मजबूत हो रहा है। बेशक व्यवस्थागत बदलाव का यह सफर जारी रहना जरूरी है। अपने इस विकास माडल के जरिए ही हरियाणा अब अपने बड़े भाई पंजाब से भी आगे निकल गया है। भविष्य के लिए भी दीर्घकालीन योजनाओं पर काम चल रहा है। 180 किलोमीटर लंबे के.एम.पी. कॉरिडोर के साथ पंच ग्राम योजना के तहत 5 अत्याधुनिक नए शहर बसाए जाएंगे। 2050 तक 75 लाख आबादी के लिए ये शहर बसाने की योजना है।

पित्त के बिना पाचन क्रिया का काम नहीं हो सकता है। हालांकि कुछ कारणों से पित्ताशय में पथरी जमा होने लगती है। वहीं अधिक दिनों तक पित्त की थैली में पथरी होने से शरीर में कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में इसके लक्षणों के बारे में जानना बेहद जरूरी होता है।

आजकल लाइफस्टाइल में गड़बड़ी जैसे बढ़ता वजन, अनहेल्दी डाइट और फिजिकल एक्टिविटी में कमी से शरीर में अन्य बीमारियों के अलावा पित्ताशय में पथरी होने का खतरा भी बढ़ता है। पित्ताशय को अंग्रेजी भाषा में गॉलब्लैडर कहा जाता है। यह शरीर का एक छोटा सा अंग है, जोकि लिवर के नीचे मौजूद होता है। शरीर में पित्त का काम जरूरी होता है, यह लिवर द्वारा बने पित्त को स्टोर करता है और छोटी आंत में छोड़ता है। जिससे कि वसा का पाचन अच्छे तरीके से हो सके।

दूसरे और आसान भाषा में कहा जाए, तो पित्त के बिना पाचन क्रिया का काम नहीं हो सकता है।

हालांकि कुछ कारणों से पित्ताशय में पथरी जमा होने लगती है। वहीं अधिक दिनों तक पित्त की थैली में पथरी होने से शरीर में कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में इसके लक्षणों के बारे में जानना बेहद जरूरी होता है। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इसके लक्षणों और कारणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एक्सपर्ट की मानें, तो पित्त की थैली में पथरी होना एक आम समस्या है, जोकि किसी भी उम्र में हो सकती है। जब पित्त की थैली में पथरी होती है, तब पित्त फ्लो रुक जाता है, जिससे वसा के पाचन में समस्या होती है। पित्त की थैली में पथरी होने पर पेट के दाहिने हिस्से में अचानक से तेज दर्द हो सकता है और यह दर्द न सिर्फ बार-बार बल्कि व्यक्ति को कई घंटों के लिए बेहाल कर सकता है। वहीं गंभीर होकर यह पीठ के ऊपरी हिस्से तक फैल सकता है।

इसके लक्षणों को नजरअंदाज करने की गलती नहीं करना चाहिए। क्योंकि अधिक समय तक पित्त की थैली में पथरी होने पर शरीर में कई तरह की परेशानियां होने लगती हैं। वहीं सही समय पर सही इलाज से गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है।

क्यों होती है पित्त की थैली में पथरी

बता दें कि पित्त में पथरी तब होती है, जब कोलेस्ट्रॉल जमा होने लगता है।

यह एक जगह जमा होकर सख्त हो जाता है और यह छोटे-छोटे पत्थरों का रूप ले लेता है। वहीं शुरूआत में इस तरफ अगर ध्यान नहीं दिया जाए, तो पथरी का साइज बढ़ने लगता है। बाद में इस सर्जरी को निकलवाने के लिए सर्जरी करानी पड़ सकती है।

पित्त की थैली में पथरी के कारण

पर्याप्त पित्त लवण न बनना

फैट और कोलेस्ट्रॉल से भरपूर अनहेल्दी फूड्स खाना

कैल्शियम और बिलीरूबिन की ज्यादा मात्रा

पित्त में कोलेस्ट्रॉल की ज्यादा मात्रा

डायबिटीज

पित्ताशय की थैली पूरी तरह से खाली न होना

ज्यादा वजन या मोटापा

लक्षण

स्किन में खुजली

पित्त की थैली में पथरी की वजह स्किन में खुजली होती है। जिस कारण आपको असुविधा महसूस हो सकती है। साथ ही नियमित रूप से अधिक पसीना आना भी पथरी का लक्षण है।

दाएं कंधे में दर्द

पित्त की थैली में पथरी की वजह से दाएं कंधे में दर्द हो सकती है, जोकि कभी पीठ और पेट तक भी जा सकता है।

पेट फूलना और डकार

कुछ भी तीखा और तला हुआ खाने से खट्टी डकार आती है। लेकिन रोजाना खाना खाने के बाद खट्टी डकारें आ रही हैं, तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए। पेट का अक्सर फूलना और लंबे समय तक फूले रहना भी पित्ताशय की पथरी का लक्षण हो सकता है।

पेट में भारीपन

तला हुआ खाने के बाद पेट में भारीपन महसूस होता है, जो गॉलब्लैडर से जुड़ी समस्याओं का संकेत हो सकता है। वहीं अगर खाना खाने के बाद खाना पच नहीं रहा है और उल्टी हो रही है, तो यह भी पथरी का लक्षण हो सकता है।

कड़वा स्वाद

पथरी की वजह से मुंह में कड़वा स्वाद आ सकता है, जिस कारण खाने का स्वाद भी बदल जाता है।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

थायराइड रोगियों में हाथ-पैर सुन्न होने की समस्या आम है, जिसका मुख्य कारण धीमा मेटाबॉलिज्म और तंत्रिका तंत्र पर पड़ने वाला दबाव है। हाइपोथायराइडिज्म रक्त संचार को प्रभावित कर सकता है, जिससे झुनझुनी और सुन्नता महसूस होती है, जो न्यूरोपैथी और वॉटर रिटेंशन से भी संबंधित है।

थायराइड बीमारी आमतौर पर एक हार्मोनल बीमारी है, जो थायराइड ग्रंथि की खराबी के कारण होती है। यह ग्रंथि गर्दन के निचले हिस्से में स्थित होती है और शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने वाले हार्मोन का उत्पादन करती है। अक्सर मरीजों में अलग-अलग लक्षण महसूस होते हैं। आइए आपको इस लेख में बताते हैं कि थायराइड के मरीज को अक्सर हाथ-पैरों में सुन्न क्यों हो जाते हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान थायराइड से पीड़ित महिलाओं में ये लक्षण देखे जाते हैं। लेकिन क्यों, आइए आपको बताते हैं।

क्या सच में थायराइड के कारण हाथ-पैर सुन्न हो जाते हैं

थायराइड की बीमारी हाथों-पैरों में सुन्नता पैदा करती है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, हाइपोथायराडिज्म में, जब थायरॉइड कम सक्रिय होते हैं, तो शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। जिस कारण से तंत्रिकाओं और रक्त संचार पर असर पड़ता है। इसलिए हाथों-पैरों में सुन्नता, झुनझुनी या सुई चुभने जैसा एहसास होता है। कई बार तो थायरॉइड के निम्न स्तर के कारण द्रव प्रतिरोधक और सूजन तंत्रिकाओं पर दबाव डाल सकती हैं, जिससे सुन्नता और बढ़ जाती है।

क्या प्रेग्नेंसी में भी थायराइड के कारण हाथ-पैर सुन्न होते हैं

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, प्रेग्नेंसी में थायराइज के कारण अक्सर महिलाओं को हाथ-पैर में सुन्नता की समस्या महसूस होती है। यह संबंध गर्भावस्था के दौरान होता हैं क्योंकि हार्मोनल बदलाव और वॉटर रिटेंशन के कारण बनते हैं और तंत्रिका प्रणाली को प्रभावित करते हैं।

थायराइड में हाथ-पैर सुन्न के अन्य कारण

जब न्यूरोपैथी के कारण भी हाथ-पैर सुन्न होने लगते हैं। जब हमारे शरीर में थायराइड ग्रंथी सही से इस हार्मोन को नहीं प्रड्यूस कर पाती है, तब वॉटर रिटेंशन होता है, जिससे नसों पर दबाव पड़ता है।

जिस वजह से लोगों को हाथ-पैर सुन्न होने लगते हैं। वहीं, हाइपोथायरायडिज्म से लोगों को कार्पल टनल सिंड्रोम हो सकता है, जो कलाई की नस संकुचित करता है, जिस कारण से हाथ में सुन्नता और दर्द होने लगता है। जब यह पैरों में होता है तो ये टार्सल टनल सिंड्रोम की वजह से होता है, जिससे टखने और पैर में जलन और सुन्न होने लगते है।

इसके अलावा, थायराइड के मरीजों में मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होने लगता है। फिर हाथ-पैर ठंडे और सुन्न होने लगते है।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

आज के समय में लोग अपनी जरूरत के सभी काम फोन से करते हैं और यहां तक कि लोग टॉयलेट में भी बैठकर फोन इस्तेमाल करते हैं। टॉयलेट इस्तेमाल करने के दौरान फोन चलाना न सिर्फ आपके हाइजीन को खराब करता है, बल्कि यह आपके स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

मोबाइल हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन गया है। लोग एक भी दिन बिना फोन के नहीं गुजार पाते हैं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि आज के समय में आप अपनी जरूरत के सभी काम फोन से करते हैं, जैसे शॉपिंग करना, न्यूज पढ़ना, लोगों से कनेक्ट रहना, पेमेंट करना और अपनी फेवरेट मूवी और शो को बिंज वॉच करना आदि। आज के समय में लोग फोन से इस तरह से जुड़ चुके हैं कि वह टॉयलेट सीट पर बैठने के दौरान भी फोन को खुद से दूर नहीं करते हैं। हालांकि यह आदत हाइजीन के नजरिए से बिल्कुल भी सही नहीं है। टॉयलेट इस्तेमाल करने के दौरान फोन चलाना न सिर्फ आपके हाइजीन को खराब करता है, बल्कि यह आपके स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसा करने से बवासीर होने के चांसेज कई गुना बढ़ जाते हैं। टॉयलेट में फोन का इस्तेमाल अगर आप भी उन लोगों में शुमार हैं, जो टॉयलेट में फोन लेकर जाते हैं, तो इससे न सिर्फ आपके फोन में बैक्टीरिया चिपक जाते हैं, बल्कि आपको पाइल्स होने का खतरा भी अधिक बढ़ जाता है। हालिया स्टडी में इस बात का खुलासा हुआ है कि टॉयलेट में फोन स्क्रॉल करने की आदत पाइल्स के विकास के खतरे को 46 फीसदी तक बढ़ा सकती है। बवासीर

बवासीर को पाइल्स भी कहते हैं, मलाशय या गुदा के अंदर और आसपास सूजी हुई और बढ़ी हुई नसें होती हैं। यह असुविधाजनक और दर्दनाक हो सकती हैं और ब्लीडिंग का कारण बन सकती हैं। बता दें कि सभी लोग बवासीर के साथ पैदा होते हैं, लेकिन आमतौर पर यह हमें परेशान नहीं करती हैं, लेकिन जब यह नसें सूज जाती हैं और बढ़ जाती है, तो यह परेशान करने वाले लक्षण पैदा करती हैं।

लक्षण और वजह

अगर आप लंबे समय तक टॉयलेट में बैठे रहते हैं, मल त्यागते समय अधिक जोर लगाते हैं, नियमित रूप से भारी सामान उठाते हैं, लंबे समय तक दस्त या कब्ज से परेशान रहते हैं और कम फाइबर वाली डाइट लेते हैं, तो बवासीर होने के चांसेज अधिक बढ़ जाते हैं। पाइल्स दो तरह के होते हैं, आंतरिक बवासीर और बाहरी बवासीर।

आंतरिक बवासीर

मल में, टॉयलेट पेपर पर या शौचालय में चमकीला लाल खून दिखाई दे सकता है।

बाहरी बवासीर

गुदा के पास एक या अधिक कठोर और कोमल गांठें, गुदा के आसपास खुजली या जलन, गुदा में दर्द खासकर जब आप बैठते हैं और पोंछने पर खून निकलता है।

एक मैच, जिसने बदला महिला क्रिकेट का इतिहास

जेमिमा का कमाल, कंगारुओं पर धमाकेदार जीत से लगी रिकॉर्ड्स की झड़ी

मुंबई। भारत की इस जीत के साथ तय हो गया कि वर्ल्ड कप 2०25 को एक नया चौंपियन मिलेगा। भारत फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा और अब पूरा देश इस सुनहरे पल का इंतजार कर रहा है। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में गुरुवार का दिन भारतीय महिला क्रिकेट इतिहास के लिए स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। भारत ने सात बार की चौंपियन ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड कप 2०25 के दूसरे सेमीफाइनल में पांच विकेट से हराकर न सिर्फ फाइनल में जगह बनाई, बल्कि एक ऐसा मैच खेला जिसमें रिकॉर्ड्स की झड़ी लग गई। यह जीत भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास, जज्बे और नए युग की पहचान बन गई। 127 से इतिहास लिख गई श्बेबी' जेमिमाश् 17 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाली जेमिमा रॉड्रिग्स को टीम में कभी श्बेबीश् कहा जाता था, लेकिन गुरुवार को वही श्बेबीश् भारत की रीढ़ बनकर खड़ी रहीं। उन्होंने 127' रन की नाबाद पारी खेली और भारत को 339 रनों के मुश्किल लक्ष्य तक पहुंचाया। यह सिर्फ उनके करियर की नहीं, बल्कि महिला क्रिकेट इतिहास की सबसे शानदार पारियों में से एक थी। जेमिमा की पारी ने कई रिकॉर्ड्स तोड़े वह वर्ल्ड कप नॉकआउट में शतक लगाने वाली सिर्फदूसरी बल्लेबाज बनीं। इससे पहले 2०22 के फाइनल में इंग्लैंड की नैट स्किवर-ब्रंट (148)' ने यह कमाल किया था। ऑस्ट्रेलिया की बादशाहत को झटका ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम, जिसने 2०17 के बाद से किसी वर्ल्ड कप मैच में हार नहीं देखी थी, भारत के सामने घुटने टेक गई। उनका 15 मैचों का जीत का सिलसिला (2०22दृ2०25) यहीं खत्म हुआ। दिलचस्प बात यह है कि पिछली बार (2०17) भी भारत ने ही

ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में हराया था। ऑस्ट्रेलिया की जीत की लड़ी टूटी टीम जीत का सिलसिला अवधि ऑस्ट्रेलिया 15 2०22दृ2०25 (समाप्त) ऑस्ट्रेलिया 15 1997दृ2००० ऑस्ट्रेलिया 12 1978दृ1982 न्यूजीलैंड 11 1988दृ1993 इंग्लैंड 1० 1993दृ1997 ऑस्ट्रेलिया का सेमीफाइनल में रिकॉर्ड महिला वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया अब तक 6 बार खेल चुकी है, जिनमें से दो बार उसे सिर्फ भारत ने हराया है (2०17 और 2०25)। भारत अब तीसरी बार महिला वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचा है। पहले दो बार (2००5 और 2०17) टीम उपविजेता रही थी। इस बार टीम का लक्ष्य है- ट्रॉफी घर लाना। आंकड़ा संख्या कुल मैच 6 जीत 4 हार 2 (दोनों बार भारत से) भारत का सबसे बड़ा चेज भारत ने वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार 2०० से ऊपर का लक्ष्य चेज किया। इससे पहले टीम इंडिया कभी भी इतना बड़ा टारगेट नहीं जीत पाई थी। लेकिन इस बार स्क्रिप्ट कुछ और ही थी। 339 रनों का पीछा, वह भी वर्ल्ड कप नॉकआउट में! भारत की बेटियों ने कमाल कर दिया। महिला वनडे विश्व कप के नॉकआउट में 2०० से ज्यादा रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने का एकमात्र पिछला उदाहरण ब्रिस्टल में 2०17 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड-डब्ल्यू बनाम दक्षिण अफ्रीका-डब्ल्यू द्वारा 219 रनों का था। भारत का आज का 341क्5 स्कोर महिला वनडे मैच में रनों का पीछा करते हुए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है, इससे पहले पिछले महीने दिल्ली में इसी टीम के खिलाफ भारत 369 रनों पर ऑलआउट हो गया था। भारतीय महिलाओं का पिछला सर्वोच्च रनों का पीछा करते हुए 2०21 में मैके में इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ265 रनों का स्कोर था। महिला वनडे में 3०० से अधिक के लक्ष्य का पीछा स्कोर टीम-खिलाफ स्थल साल 339क्5 भारत अे ऑस्ट्रेलिया मुंबई (डीवाई पाटिल) 2०25 331 ऑस्ट्रेलिया अे भारत विशाखापट्टनम 2०25 3०2 श्रीलंका अे द. अफ्रीका पोटचेफस्ट्रूम 2०24 यह जीत खास इसलिए भी रही क्योंकि यह पहला मौका था जब किसी वनडे वर्ल्ड कप नॉकआउट (पुरुष या महिला) में 3०० रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक चेज हुआ। इससे पहले पुरुष वर्ल्ड कप (2०15) में न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ298 रन का लक्ष्य चेज किया था।

गोवा में शुरू होगा शतरंज का महासंग्राम, गुकेश और प्रज्ञानानंद पर रहेंगी नजरें

गोवा में शुक्रवार से शुरू हो रहे फिडे विश्व कप 2०25 का इंतजार अब लगभग खत्म हो गया है। यह टूर्नामेंट भारत में आयोजित होने वाला अब तक का सबसे बड़ा शतरंज आयोजन माना जा रहा है, जिसमें दुनिया के कई शीर्ष ग्रैंडमास्टर्स खिताब के लिए भिड़ने वाले हैं। बता दें कि पिछली बार यह खिताब 2०23 में नॉर्वे के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने जीता था। मौजूद जानकारी के अनुसार, इस बार का फिडे विश्व कप खास महत्व रखता है क्योंकि यहां से अगले वर्ष होने वाले फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए तीन खिलाड़ियों को क्वालिफिकेशन मिलेगा। वहीं, कैंडिडेट्स का विजेता अगले वर्ष भारतीय विश्व चौम्पियन गुकेश डोमरराजू को चुनौती देगा। गौरतलब है कि यह इस फॉर्मेट का 11वां संस्करण है, लेकिन इस बार कई दिग्गज खिलाड़ी इसमें हिस्सा नहीं ले रहे हैं। कार्लसन ने क्लासिकल शतरंज की सीमित संख्या में प्रतियोगिताएं खेलने के अपने फैसले के कारण भाग नहीं लेने का निर्णय किया है। इसी तरह, हिकारू नाकामुरा और फबियानो कारुआना भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं क्योंकि दोनों पहले ही कैंडिडेट्स में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। भारत के लिए यह टूर्नामेंट बेहद खास है क्योंकि गुकेश डोमरराजू पहली बार विश्व खिताब जीतने के बाद घरेलू धरती पर बड़ा टूर्नामेंट खेल रहे हैं। हालांकि उनका 2०25 का प्रदर्शन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहा है। नीदरलैंड में टाटा स्टील मास्टर्स में शानदार शुरुआत के बाद वे कई फॉर्मेट्स के बीच संतुलन बनाने में संघर्ष करते रहे। सितंबर में हुए ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट में वे 44वें स्थान पर रहे, लेकिन हाल में यूरोपियन क्लब कप में शीर्ष बोर्ड पर गोल्ड जीतकर उन्होंने मजबूत वापसी की है। आर प्रज्ञानानंद भी इस टूर्नामेंट में भारत की बड़ी उम्मीदों में शामिल हैं। 2०23 में वे फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन कार्लसन से हार गए थे। इस वर्ष उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने टाटा स्टील मास्टर्स, सुपरबेट चेस क्लासिक और उजचेस कप जैसे बड़े टूर्नामेंट जीते हैं। वर्तमान में वे फिडे सर्किट लीडरबोर्ड में शीर्ष पर हैं और अगर वे इसे बनाए रखते हैं तो सीधे कैंडिडेट्स में प्रवेश पा सकते हैं। विन्सेंट केमर भी इस बार के प्रबल दावेदारों में हैं। हाल के महीनों में उन्होंने शानदार फॉर्म दिखाया है और लाइव रेटिंग में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2०25 का खिताब जीता था और यूरोपियन क्लब चौंपियनशिप में भी गोल्ड के बेहद करीब पहुंचे थे। कुल मिलाकर, गोवा में आयोजित यह टूर्नामेंट सिर्फएक चेस प्रतियोगिता नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की शतरंज क्षमता का प्रदर्शन भी है। भारतीय प्रशंसकों की निगाहें अब गुकेश और प्रज्ञानानंद जैसे युवा सितारों पर टिकी हैं जो देश को एक और गौरव दिलाने की क्षमता रखते हैं।

कराबाओ कप में शर्मनाक हार, अर्ने स्लॉट की टीम चयन पर भड़के प्रशंसक

लिवरपूल के प्रशंसकों के लिए बुधवार की रात बेहद निराशाजनक रही जब उनकी टीम एनफील्ड में क्रिस्टल पैलेस के खिलाफकराबाओ कप से ०-3 के बड़े अंतर से बाहर हो गई। मैच में कोच अर्ने स्लॉट ने अपनी टीम में बड़े बदलाव किए, जिसके बाद प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर जमकर नाराजगी जताई है। मौजूद जानकारी के अनुसार, लिवरपूल के कोच स्लॉट ने ब्रेंटफोर्ड के खिलाफमिली हार के बाद अपनी टीम में दस बदलाव किए थे। केवल मिलोस केर्केज ही एकमात्र खिलाड़ी थे जिन्होंने पिछला मैच खेला था और इस बार भी शुरुआती 11 में शामिल थे। टीम में कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया, जबकि अनुभवी खिलाड़ियों जैसे मोहम्मद सलाह, वर्जिल वैन डाइक और अलेक्जेंडर इसाक को पूरी तरह बाहर रखा गया था। पहले हाफके अंत से पहले क्रिस्टल पैलेस के इस्माइला सार ने दो तेज गोल दाग दिए और लिवरपूल को बैकफुट पर धकेल दिया। दूसरे हाफमें येरमी पिनो ने तीसरा गोल कर जीत पक्की कर दी। वहीं, लिवरपूल के युवा खिलाड़ी अमारा नालो को मैदान में उतरने के कुछ मिनट बाद ही रेड कार्ड दिखाया गया। बता दें कि अर्ने स्लॉट ने मैच से पहले स्काई स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा था कि कराबाओ कप का इस्तेमाल क्लब अपने युवा खिलाड़ियों को मौका देने के लिए करता है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि युवा खिलाड़ी बड़े दर्शक वर्ग के सामने खेलें, यह उनके विकास का हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा कि टीम में कई चोटिल खिलाड़ी हैं और लगातार मैच खेलने से वरिष्ठ खिलाड़ियों पर चोट का खतरा बढ़ रहा है। गौरतलब है कि स्लॉट की इस टीम चयन रणनीति को लेकर प्रशंसक बेहद नाराज हैं। कई समर्थकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग् (पूर्व ट्विटर) पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि स्लॉट का यह फैसला क्लब से पूरी तरह असंबद्ध लगता है।

कभी रील्स बनाने पर होती थीं ट्रोल

नवी मुंबई। जेमिमा रन बनाने में असफल रहती थीं तो सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स उन्हें यह कहते हुए ट्रोल करते थे कि जेमिमा का ध्यान अपनी बल्लेबाजी से ज्यादा सोशल मीडिया पर रहता है। लेकिन अब जेमिमा का बल्ला ऐसे दिन गरजा जब टीम को उनसे काफी उम्मीद थी। श्रन बनाना, वो क्या होता है। मेरा क्रिंज रील्स देख और गाना सुन...श, कुछ इस तरह सोशल मीडिया पर भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज जेमिमा रॉड्रिग्स को ट्रोल किया जाता था। इसी जेमिमा की शानदार नाबाद शतकीय पारी की मदद से भारत ने सेमीफाइनल में सात बार की चौंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। हरमनप्रीत के साथ निभाई साझेदारी जेमिमा ने शतक लगाया और कप्तान हरमनप्रीत के साथ तीसरे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी की। उनकी इस शतकीय पारी से ही भारतीय टीम तीसरी बार वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। टीम इससे पहले 2००5 और 2०17 में भी खिताबी मैच में पहुंची थी। भारत ने अब तक कभी विश्व कप की ट्रॉफी नहीं जीती है और अब उसके पास खिताबी सूखा समाप्त करने का अच्छा मौका है। हरमनप्रीत और जेमिमा के बीच महिला विश्व कप के नॉकआउट मैच में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी हुई। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने के कारण होती थीं ट्रोल दरअसल, जब भी जेमिमा रन बनाने में असफल रहती थीं तो सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स उन्हें यह कहते हुए ट्रोल करते थे कि जेमिमा का ध्यान अपनी बल्लेबाजी से ज्यादा सोशल मीडिया पर रहता है। लेकिन अब जेमिमा का बल्ला ऐसे दिन गरजा जब टीम को उनसे काफी उम्मीद थी।

कौन हैं जेमिमा रॉड्रिग्स?

बेबी से भारतीय मध्यक्रम की रीढ़ बनने तक का भावनात्मक सफर

मुंबई। आज जेमिमा रॉड्रिग्स भारतीय महिला क्रिकेट की आत्मा हैं। उन्हें न किसी गेंदबाज का डर है, न कोई घबराहट। कभी सबकी श्बेबीश् कही जाने वाली जेमिमा अब उस मिडल ऑर्डर की रीढ़ हैं, जिसके भरोसे भारत ने विश्व क्रिकेट की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। महिला वनडे विश्व कप 2०25 के दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए एक ऐसी पारी खेली गई जिसने न सिर्फ मैच बल्कि हर भारतीय के दिल को छू लिया। इस पारी की नायिका रहीं जेमिमा रॉड्रिग्स। 25 साल की इस मुंबई की बल्लेबाज ने गुरुवार के दिन सिर्फरन नहीं बनाए, बल्कि एक पूरी यात्रा तय की। कभी टीम में श्बेबीश् के नाम से पुकारी जाने वाली जेमिमा आज भारतीय महिला टीम में मध्यक्रम की रीढ़ बनकर खड़ी हैं। शुरुआतरू उम्मीदों से भरा एक चेहरा पांच सितंबर 2००० को मुंबई में जन्मीं जेमिमा ने फरवरी 2०18 में महज 17 साल की उम्र में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा। शुरुआती दिनों में उनसे बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन सफर आसान नहीं रहा। उन्हें टीम से बाहर भी किया गया, आलोचना भी झेलनी पड़ी। मगर जेमिमा ने कभी हार नहीं मानी। वह खुद कहती हैं कि वह टीम में सबसे छोटी थीं, सब उन्हें प्यार से श्बेबीश् कहते थे।श् लेकिन अब जेमिमा बेबी नहीं रहीं। उनके चेहरे की मुस्कान जितनी मासूम थी, उतनी ही मजबूत थी उनकी सोच। यही वजह है कि जब उन्हें मौके मिले, उन्होंने हर बार खुद को साबित किया। उन्हें बीच में ड्रॉप भी किया गया। फिर 2०22 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने अपने बल्ले से चमक बिखेरी थी। हालांकि, 2०23 महिला टी2० विश्व कप के बाद टीम से उन्हें बाहर कर दिया गया था। 2०24 में एकबार फिर जेमिमा ने वापसी की और अब वह इस टीम का अहम हिस्सा हैं। जेमिमा क्रिकेट में अपने विकास का श्रेय इंग्लैंड में अब बंद हो चुकी किआ सुपर लीग (केएसएल) को देती हैं। यह किसी विदेशी टी2० लीग में उनकी पहली उपस्थिति थी। उस टूर्नामेंट में उनके आंकड़े असाधारण थे। तब जेमिमा ने 57.28 की औसत और 149.62 के स्ट्राइक रेट से 4०1 रन बनाए थे। इसमें 58 गेंदों पर नाबाद 112 रन शामिल हैं। विश्व कप सेमीफाइनल की रातरू आंसुओं में घुला विश्वास 2०25 महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत मुश्किल स्थिति में था। रन धीरे-धीरे आ रहे थे और हर चेहरा तनाव से भरा था। लेकिन जब जेमिमा क्रीज पर उतरीं, सबकुछ बदल गया।

विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सीएम योगी बोले– मजबूत न्याय व्यवस्था ही सुशासन का आधार

लखनऊ,(एजेंसी)। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मेधावियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य सहित कुल 21 पदक दिए गए। इस दौरान 309 उपाधियां सफल विधार्थियों को दी गईं। डॉ.राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (आरएमएलएनएलयू) का चौथा दीक्षांत समारोह रविवार को आयोजित हुआ। इस मौके पर बीए–एलएलबी ऑनर्स, एलएलएम वन इयर, पीजीडीसीएल, पीजीडीआईपीआर पाठ्यक्रमों के मेधावियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य सहित कुल 21 पदक दिए गए। इस दौरान 309 उपाधियां सफल विधार्थियों को दी गईं। इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर सुप्रीम के जस्टिस सूर्यकांत की मौजूदगी में मेधावियों ने न्याय की राह पर चलने का संलल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपाधियां अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि देश की मजबूत न्याय व्यवस्था ही सुशासन का आधार है। एक ऐसी व्यवस्था जिसमें किसी के साथ भेदभाव न हो और सभी को उसकी योग्यता के अनुसार मौके मिले। ये सुशासन का आधार है और मजबूत न्याय व्यवस्था इसे संभव बनाती है। इस मौके पर कुलपति डॉ.अमरपाल सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मौके पर पारंपरिक पदकों के साथ विशेष स्मृति पदक भी दिए गए। इनमें कराधान विधि (टैक्सेशन लॉ), आपराधिक विधि (क्रिमिनल लॉ), संवैधानिक विधि में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। दर्शिका को तीन पदक, अभ्युदय को दो सवर्ण पदक इस मौके पर दर्शिका पांडेय को तीन पदक मिलें। इसमें संवैधानिक विधि में सर्वोच्च अंक पाने के लिए स्व. पद्मावती मोहनलाल जरीवाला स्वर्ण पदक, स्टूडेंट ऑफ द ईयर के लिए वीरेंद्र भाटिया स्वर्ण पदक और बीए एलएलबी में कांस्य पदक शामिल है। अभ्युदय प्रताप को दो स्वर्ण पदक मिले जिसमें बीए एलएलबी (ऑनर्स) में स्वर्ण पदक, केके लूथरा मेमोरियल स्वर्ण पदक शामिल है। समाज में कुछ बेहतर करने की इच्छा–दर्शिका बीए एलएलबी (ऑनर्स) की टॉपर छात्रा दर्शिका पांडेय ने बताया वह जज बनकर देश की न्याय व्यवस्था में कुछ बेहतर करना चाहती है। दर्शिका ने अपनी सफलता का श्रेय पिता सुधीर कुमार पांडेय को दिया। दर्शिका ने बताया बचपन से उनके पिता ने ही उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। वहीं, मां नीलम ने मनोबल बढ़ाया। गुरुजनों का भी योगदान है। दर्शिका ने बताया कि उन्होंने शुरुआती पढ़ाई कुशीनगर से की है।

समाज में कुछ बेहतर करने की इच्छा–दर्शिका

बीए एलएलबी (ऑनर्स) की टॉपर छात्रा दर्शिका पांडेय ने बताया वह जज बनकर देश की न्याय व्यवस्था में कुछ बेहतर करना चाहती है। दर्शिका ने अपनी सफलता का श्रेय पिता सुधीर कुमार पांडेय को दिया। दर्शिका ने बताया बचपन से उनके पिता ने ही उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। वहीं, मां नीलम ने मनोबल बढ़ाया। गुरुजनों का भी योगदान है। दर्शिका ने बताया कि उन्होंने शुरुआती पढ़ाई कुशीनगर से की है।

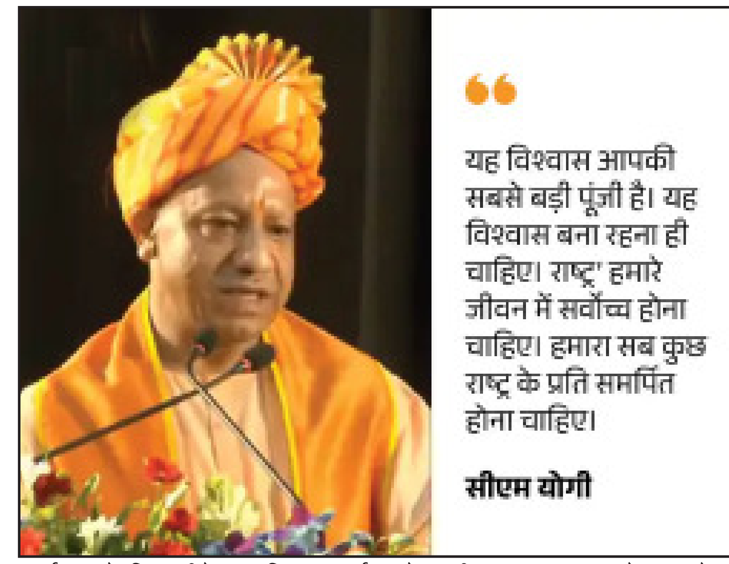

एथराइज ने आयोजित किया, ग्रासरूट खेलों के भविष्य पर मंथन

लखनऊ,संवाददाता। भारत के ग्रासरूट खेल परिदृश्य को नई दिशा देने के उद्देश्य से एथराइज ने ब्वंबीब्तंजि 25 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम सैवी ग्रैंड, गोमती नगर में हुआ, जिसमें लखनऊ के 50 से अधिक स्कूलों और अकादमियों के 100 से ज्यादा कोच शामिल हुए।यह आयोजन स्कूल और अकादमी कोचों को समर्पित था, जो भारत के खिलाड़ियों के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में पैनल चर्चा, ओपन हाउस इंटरएक्शन और मनोरंजक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य कोचों के बीच विचार–विमर्श और सहयोग को बढ़ावा देना था। एथराइज के संस्थापक और सीईओ निखिल कुमार ने एथराइज के विजन और रोडमैप को साझा करते हुए कहा, "हमारा लक्ष्य स्कूलों और कोचों को सशक्त बनाना है ताकि भारत में खेल प्रतिभाओं के लिए एक मजबूत और विकसित प्रणाली बनाई जा सके। हमारा फोकस स्कूल स्तर से लेकर पेशेवर खेलों तक स्पष्ट प्रगति का रास्ता तैयार करना है।" कार्यक्रम में होसे लियोन, पूर्व क्मदजेन और ।कवइम कार्यकारी तथा एथराइज के सलाहकार, ने फिटनेस को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा, "भारत में फिटनेस और खेल के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ, अब ब्रांड्स और स्पॉन्सर्स ग्रासरूट स्तर पर खिलाड़ियों को पहचान रहे हैं कृ यह बदलाव बेहद उत्साहजनक है।" प्रसिद्ध स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट और रिहैबिलिटेशन विशेषज्ञ योगेश शेट्टी ने खिलाड़ियों के वेलनेस और मानसिक संतुलन पर अपने सत्र में कहा, "खेल में सफलता केवल शारीरिक क्षमता पर नहीं, बल्कि मन और रिकवरी के संतुलन पर भी निर्भर करती है।" कार्यक्रम के दौरान आयोजित मजेदार टीम गतिविधियों ने कोचों के बीच सौहार्द और आपसी संवाद को और मजबूत किया। इस मौके पर एथराइज ने आगामी "एथराइज चौम्पियनशिप 2025 दृ लखनऊ" की घोषणा भी की। यह स्कूल–स्तरीय मल्टी–स्पोर्ट प्रतियोगिता होगी जिसकी शुरुआत 28 नवम्बर 2025 से होगी।एथलेटिक्स इवेंट्स 35 च।ब महानगर सिंथेटिक ट्रैक पर 28 से 30 नवम्बर तक, जबकि बैडमिंटन और चेस प्रतियोगिताएँ ठठक बैडमिंटन अकादमी में 5 से 7 दिसम्बर तक आयोजित की जाएँगी।कार्यक्रम का समापन प्रेरणादायक माहौल में हुआ, जहाँ सभी कोचों ने भारत के खेल तंत्र को मजबूत बनाने और युवा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर देने के अपने संकल्प को दोहराया।

असमय बारिश से बर्बाद हो धान की फसल,आलू और सरसों भी नष्ट

लखनऊ,संवाददाता। असमय बरसात के कारण किसानों की धान की फसल बुरी तरीके से बर्बाद हो गई है ।अभी हाल में बोया गया आलू व सरसों नष्ट हो गयी है। योगी सरकार बिहार चुनाव में मस्त है।अविलम्ब किसायों के कर्ज माफ कर विशेष पैकेज की घोषणा सरकार को करनी चाहिए। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की जिला कौसिल बाराबंकी की बैठक को संबोधित करते हुए राज्य परिषद सदस्य रणधीर सिंह सुमन ने कहा कि पिछली बुवाई के मौसम में खाद ब्लैक हो रही थी और इस समय भी खाद ब्लैक हो रही है ।सरकार किसानों को खाद उपलब्ध कराने में असमर्थ है।पार्टी के जिला सचिव वृजमोहनं वर्मा ने कहा कि धान खरीद केन्द्र मे खरीददारी नहीं हो रही है और व्यापारी बहुत ही कम दाम पर धान खरीद रहे है जिला प्रशासन अविलम्ब व्यापारियों की चेकिंग कर न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दामों पर खरीद वाले व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई करें।राज्य परिषद सदस्य प्रवीण कुमार ने कहा दि पार्टी 10 नवम्बर से जिला अधिकारी कार्यालय पर धरना प्रारम्भ करेगी। पार्टी के कोषाध्यक्ष शिवदर्शन वर्मा ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर जनपद में जगह–जगह अभियान चलाया जायेगा। असमय बारिश ने बैठक में रामनरेश वर्मा दीपक वर्मा जिला मन्त्री, मुनेश्वर प्रसाद राज्य–परिषद सदस्य, महेन्द्र यादव।

ईदगाह में 194वॉ नि :शुल्क चिकित्सा कैम्प का आयोजन

लखनऊ,संवाददाता। मानवता की बुनियाद समाज सेवा के जज्बे से हमवार होती है। खुदा पाक के बन्दों की सेवा करना एक बहुत अच्छा कार्य है जो हर इन्सान को व्यक्तिगत एवं सामूहिक तौर पर समाज के लिए अंजाम देना चाहिए। यह कार्य न सिर्फ मानवता की तामीर व तरक्की का कारण बल्कि इस नेक कार्य से व्यक्ति के व्यक्तित्व में भी निखार पैदा होता है। इन ख्यालात का इज्हार इमाम ईदगाह लखनऊ व काजी शहर मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल ने किया। वह आज इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया, मैक्स हास्पिटल और काइंड हस्पिटल के सौजन्य से दारूल उलूम फरंगी महल ईदगाह लखनऊ में आयोजित मांसिक निःशुल्क चिकित्सा कैम्प से सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि जरूरत मन्दों और गरीबों की सहायता व सहयोग करना इस्लाम की शिक्षा व हिदायत पर अमल करना है। समाज सेवा जैसे नेक काम के नमूने हमको रसूले पाक सल्ल0 की सीरत और साहाबा रजि0 के हालात में बहुत मिलते हैं। मौलाना ने कहा कि इस्लामिक सेन्टर के अर्न्तगत इस निःशुल्क चिकित्सा कैम्प का आरम्भ मौलाना अबू तैय्यब अहमद मियॉ फरंगी महली की सरपरस्ती में सन् 2000 में हुआ था। आज 194वॉ कैम्प था। यह हर महीने की पहली इतवार को लगता है। इस कैम्प से बिना किसी धार्मिक भेद भाव के हजारों लोग लाभ उठा चुके हैं। यहॉ निःशुल्क चश्मे दिये जाते हैं। ब्लड प्रेशर, शूगर, थाईराइड, स्त्री रोग इत्यादि की जॉच और निःशुल्क दवायें दी जाती हैं। सर्दी से बचाव के लिए जरूरतमन्दों में कम्बल बॉटे गए। इस कैम्प में काइन्ड हास्पिटल्ल के डायरेक्टर और प्रख्यात चिकित्सक डा0 शारिक हबीब, बेग आई सेन्टर की पूरी टीम, उवैस अहमद, अम्बर ट्रस्ट के जुबैर अहमद किदवाई ने अपनी अपनी सेवाओं को अंजाम दिया। मेहमानों का स्वागत मौलाना गुफरान अहमद शमसी ने किया और शुक्रिया मौलाना अब्दुल लतीफ ने अदा किया। इस अवसर पर मौलाना नईमुर्रहमान सिद्दीक़ी, मौलाना मो0 सुफयान निजामी, शेख़ राशिद अली मीनाई, मो0 फारूक खॉ, मो0 खालिद इशू, मुनीब अलवी, कारी मो0 हारून, मौलाना मो0 शमीम, मौ0 अब्दुल मुगीस, अदनान शाहिद खॉ, फैज खालिद, अबुजर राईन मौजूद थे।

यूपी के इस जिले आज से चार दिनों तक स्कूलों की छुट्टी, डीएम ने जारी किया आदेश

लखनऊ,(एजेंसी)। कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला शुरू हो चुका है और इसी वजह से दिल्ली एनसीआर में स्थित यूपी के एक जिले में कुछ दिनों के लिए स्कूलों में छुट्टी का ऐलान किया गया है। नोटिस के मुताबिक, इस जिले में 3 से 6 नवंबर तक स्कूल बंद रहेंगे। दिल्ली एनसीआर में स्थित यूपी के एक जिले में 3 से 6 नवंबर तक स्कूलों में अवकाश की घोषणा की गई है। छुट्टी की घोषणा पारंपरिक लक्खी कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले को देखते हुए की गई है।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के अनूपशहर में पारंपरिक लक्खी कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले की शुरुआत हो चुकी है। कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान के चलते अनूपशहर क्षेत्र के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में 3 नवंबर से 6 नवंबर 2025 तक अवकाश घोषित किया गया है। मेले का मुख्य स्नान 3 नवंबर की मध्यरात्रि से 5 नवंबर (बुधवार) तक रहेगा। यह

मेला सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि इलाके की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान का अहम हिस्सा भी माना जाता है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आमद के चलते यह फैसला सुरक्षा और यातायात प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। यह आदेश बेसिक शिक्षा अधिकारी, बुलंदशहर द्वारा जारी किया गया है। अनूपशहर में 3 से 6 नवंबर तक स्कूल रहेंगे बंद बेसिक शिक्षा अधिकारी के आदेश के मुताबिक, अनूपशहर कस्बे के सभी स्कूलों में 3 से 6 नवंबर तक छुट्टी रहेगी। यह निर्णय विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की सुविधा के लिए लिया गया है, क्योंकि मेले के दौरान भारी भीड़भाड़ और यातायात प्रभावित रहता है। ध्यान दें कि यह आदेश केवल अनूपशहर क्षेत्र के सरकारी और निजी विद्यालयों पर लागू होगा। जिले के अन्य स्कूल, कॉलेज और शिक्षण संस्थान खुले रहेंगे। अनूपशहर का कार्तिक पूर्णिमा मेलारू आस्था और एकता का संगम अनूपशहर का यह ऐतिहासिक गंगा।

मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी पशु तस्कर गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

बस्ती। जिले के छावनी थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर बंधे के पास शनिवार दोपहर पुलिस और 50 हजार का इनामी पशु तस्कर सद्दाम में मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। घायलावस्था में उसे पुलिस ने सीएचसी विक्रमजोत में भर्ती कराया। उसके स्वास्थ्य की निगरानी के लिए चिकित्सकों की टीम लगाई गई है। आरोपी सद्दाम गोंडा जिले के खोड़ारे थानांतर्गत बभनगांव गांव का निवासी बताया जा रहा। पुलिस उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि की गहराई से जांच कर रही है। छावनी थानाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद के नेतृत्व में एसओजी, स्वॉट और सर्विलांस टीम ने मुखबिर की सूचना पर अर्जुनपुर बंधे के पास घेराबंदी की थी। इसी दौरान बाइक से गुजर रहे पशु तस्कर सद्दाम ने पुलिस बल को देखकर फायरिंग कर दी। पुलिस कर्मी बाल–बाल बच गए। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली सद्दाम के पैर में लगी और वह गिर पड़ा। पुलिस ने तत्काल उसे हिरासत में लेकर उपचार के लिए भेजा। घटना की जानकारी मिलने पर एसपी अभिनंदन भी मौके पर पहुंच गए। विक्रमजोत सीएचसी जाकर घायल आरोपी से पूछताछ की। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सद्दाम गोंडा जिले के खोड़ारे थानांतर्गत बभनगांव गांव का रहने वाला है। उसके खिलाफ पशु तस्करी और गोकशी से संबंधित कई केस दर्ज हैं।एसपी ने बताया कि गत 18 अगस्त को छावनी पुलिस ने सद्दाम के दो साथियों को पकड़ा था, जबकि वह मौके से भाग निकला था। तब से वह फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक की ओर से 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

दुल्हनों की पसंद मॉडर्न...भारी हार की जगह हल्के सेट का क्रेज

बस्ती। सहालग सीजन फिर से जगमगाने लगा है। शहर के ज्वेलरी शोरूम से लेकर कस्बों की दुकानों में इन दिनों खरीदारी का माहौल है। इस बार गहनों का ट्रेंड बदला नजर आ रहा है। भारी गहनों की जगह हल्के और डिजाइनर सेट दुल्हनों की पहली पसंद बन गए हैं। अब दुल्हनें ऐसी ज्वेलरी चाहती हैं जो भारी न हो, पहनने में आसान हो और ट्रेंडी लगे। पहले जहां शादी–ब्याह में दुल्हनों के गले में चौड़े हार और लंबे झूमर आम बात थे, वहीं अब लड़कियां स्मार्ट और मिनिमल डिजाइन वाले गहनों को प्राथमिकता दे रही हैं। डायमंड–कट गोल्ड, रोज गोल्ड फिनिश, कुंदन–मोती मिक्स और हल्के नेक चेन सेट की डिमांड तेजी से बढ़ी है। शहर के ज्वेलर्स गौरव भारत बताते हैं कि अब ज्यादातर ग्राहक कह रहे हैं कि गहने ऐसे हों, जो शादी के बाद भी पहने जा सकें। पहले जहां दस तोला का हार बिकता था, अब वही लुक लोग चार तोला में डिजाइनर सेट में चाहते हैं। रुधौली की निवासी पूजा श्रीवास्तव, जिनकी शादी दिसंबर में तय है, बताती हैं कि "मैंने हमेशा देखा कि शादी के बाद मां के गहने अलमारी में बंद रहते हैं। मैं ऐसा सेट चाहती थी जो ऑफिस या फंक्शन में भी पहन सकूं। इसलिए मैंने हल्का कुंदन सेट और रोज गोल्ड चेन ली है। हरैया बाजार में गहनों की खरीदारी करने पहुंची नीलम चौहान कहती हैं, आजकल दुल्हनें बहुत अपडेटेड हैं। सोशल मीडिया से डिजाइन देख लेती हैं और वही मांगती हैं। पहले जो फैशन टीवी या पत्रिकाओं में दिखता था, अब वही व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम से सीधे दुकानों तक पहुंच जाता है।

नरम पड़े तूफान के तेवर, दो तीन दिन साफ रहेगा मौसम

बस्ती। चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के कमजोर पड़ने के बाद जिले में मौसम सामान्य होने लगा है। किसानों के लिए राहत भरी खबर है कि आगामी 24 घंटे में हल्के बादल छाए रह सकते हैं, परंतु बारिश के आसार नहीं हैं। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज (अयोध्या) के मौसम वैज्ञानिक डॉ. अमरनाथ मिश्र का कहना है कि अगले दो से तीन दिन तक मौसम शुष्क रहेगा और धान की कटाई के लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। शनिवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 29.0 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.8 डिग्री अधिक 22.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तूफान और बारिश से खेतों में पानी भर गया। कई जगह धान की फसल झुककर गिर गई। किसान अब किसी तरह फसल को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। महसों के किसान रामसजीवन यादव ने बताया, कि दो दिन पहले ही कटाई की तैयारी थी, तभी बारिश आ गई। हरैया के किसान नंदलाल चौधरी ने बताया कि 20 बीघा धान बोया था। आधी फसल गिर है। अब जब मौसम साफ हुआ है तो प्रयास कर रहे हैं कि जितना बचा सकें, काट लें। पकड़ी बुजुर्ग के किसान रामनयन चौहान ने कहा, धान की फसल तो किसी तरह समेट लेंगे, लेकिन नुकसान बहुत हुआ है। उम्मीद है सरकार मुआवजा दे ताकि अगली बुवाई की तैयारी हो सके। फिलहाल मौसम में सुधार ने किसानों को राहत दी है। खेतों में फिर हलचल शुरू हो गई है। उम्मीद यही है कि अब आसमान मेहरबान रहे और मेहनत का फल हाथ से न निकल पाए।

सीएम को संबोधित ज्ञापन सीआरओ को सौंपा

हर्रैया। मांगों को लेकर लेखपाल संघ ने एस डी एम को सौंपा ज्ञापन।संवाद भानपुर। वाहन व स्टेशनरी भत्ता बढ़ाने समेत आठ सूत्रीय मांगो को पूरा कराने के लिए लेखपालों ने शनिवार को तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी व संतोष चौधरी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती को सौंपा। लेखपालों ने वेतनमान उच्चीकरण, पदोन्नति के अवसरों में वृद्धि, अंतरजनपदीय स्थानांतरण, पेंशन विसंगति दूर करने व भूमि के बढ़ते विवादों को देखते हुए लेखपालों के पद बढ़ाने की मांग की। मंटू शर्मा, योगेंद्र प्रताप, मंयक अभिषेक सिंह, मोहित श्रीवास्तव, संतोष शाक्य, शंकर जी, गौरव पाल आदि मौजूद रहे।

बभनान में सड़क धंसी, जलभराव से हादसे का खतरा

बभनान (बस्ती)। नगर पंचायत बभनान में नहर कॉलोनी से पॉवर हाउस तक एनएच–727 जी जर्जर हो गया है।

बीआरडी में गार्डों ने सेना के जवान का सिर फोड़ा, खून से लथपथ हालत में पहुंचा थाने

गोरखपुर। दुर्गेश ने बताया कि उन्होंने जवाब दिया कि वह मरीज की अकेले देखभाल करने वाले हैं, पिता को छोड़कर नहीं जा सकते। इस पर गार्ड ने अभद्रता करते हुए उन्हें हटाने की कोशिश की। आरोप है कि विरोध करने पर गार्ड ने डंडा चला दिया, जिसे दुर्गेश ने हाथ से रोक लिया। इस पर उसने अन्य गार्डों को बुलाकर उनकी जमकर पिटाई कर दी, जिसमें उनका सिर फट गया। गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार की रात पिता का इलाज कराने आए देवरिया निवासी सेना के जवान की पिटाई का मामला सामने आया है। आरोप है कि गार्डों ने बेरहमी से पीटकर सिर फोड़ दिया। जवान गुलरिहा थाने पहुंचा और आरोपी गार्डों के खिलाफ तहरीर दी। मेडिकल चौकी पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। उधर, शनिवार को इलाज के दौरान जवान के पिता की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वार्ड में जवान के पैर फैलाकर बैठने पर विवाद शुरू हुआ था। जानकारी के मुताबिक, देवरिया जिले के बरवामीर छापर निवासी दुर्गेश कुमार पांडेय सेना में जवान हैं। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पिता बीआरडी मेडिकल कॉलेज के वार्ड नंबर 11 में भर्ती थे। शुक्रवार देर रात वह वार्ड के बाहर दीवार के सहारे पैर फैलाकर बैठे थे। इसी बीच वहां ड्यूटी पर तैनात एक गार्ड आया और कहा कि यहां पैर फैलाकर नहीं बैठ सकते, बाहर जाकर बैठिए। दुर्गेश ने बताया कि उन्होंने जवाब दिया कि वह मरीज की अकेले देखभाल करने वाले हैं, पिता को छोड़कर नहीं जा सकते। इस पर गार्ड ने अभद्रता करते हुए उन्हें हटाने की कोशिश की। आरोप है कि विरोध करने पर गार्ड ने डंडा चला दिया, जिसे दुर्गेश ने हाथ से रोक लिया। इस पर उसने अन्य गार्डों को बुलाकर उनकी जमकर पिटाई कर दी, जिसमें उनका सिर फट गया। खून से लथपथ दुर्गेश गुलरिहा थाने पहुंचे और गार्डों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी। पुलिस के मुताबिक, घटना की जांच की जा रही है और मेडिकल चौकी से रिपोर्ट मांगी गई है। उधर, शनिवार सुबह करीब सात बजे सेना के जवान के पिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने शव को देवरिया स्थित पैतृक गांव ले जाकर शाम को अंतिम संस्कार किया। घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है। इस मामले में सीओ गोरखनाथ रवि सिंह ने बताया कि जवान की तहरीर पर मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे स्टेशन के लिफ्ट में फंस गए 3 बच्चों संग 10 यात्री, 25 मिनट अटकी रही– जानिए कैसे खुली

गोरखपुर। जब 10 मिनट तक लिफ्ट ऊपर नहीं गया तो सब परेशान हो गए। अफनाहट भी होने लगी। उन्होंने बताया कि बच्चे घबराकर रोने लगे। इसके बाद विवेकानंद ने लिफ्ट में मदद के लिए लिखे गए मोबाइल नंबर पर फोन किया तो रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद गूगल से जीआरपी का नंबर निकालकर फोन किया तो दो पुलिसकर्मी मौके पर आए। रेलवे स्टेशन पर शनिवार को एक परिवार सहित 10 यात्री लिफ्ट में करीब 25 मिनट तक फंसे रहे। लिफ्ट में तीन बच्चे भी थे, जो पसीने से तर–बतर होने के बाद घबरा गए। जीआरपी के दो पुलिसकर्मियों के प्रयास से करीब 25 मिनट बाद दरवाजा खुला तो सभी बाहर आ सके। बताया जा रहा है कि तकनीकी खराबी की वजह से लिफ्ट बंद हो गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने जांच के आदेश दे दिए हैं। शनिवार सुबह प्लेटफॉर्म नंबर छह पर लगे लिफ्ट में एक परिवार के पांच लोग और पांच अन्य यात्री फुट ओवरब्रिज पर जाने के लिए चढ़े। एक नंबर बटन दबाने के बाद दरवाजा बंद हो गया लेकिन लिफ्ट ऊपर की ओर नहीं जा रही थी। लखनऊ से गोरखपुर पहुंचे गुठनी, सिवान के विवेकानंद जायसवाल ने बताया कि करीब 25 मिनट तक फंसे रहे। उनके साथ एक परिवार के दंपती और उनके तीन बच्चे भी थे। जब 10 मिनट तक लिफ्ट ऊपर नहीं गया तो सब परेशान हो गए। अफनाहट भी होने लगी। उन्होंने बताया कि बच्चे घबराकर रोने लगे। इसके बाद विवेकानंद ने लिफ्ट में मदद के लिए लिखे गए मोबाइल नंबर पर फोन किया तो रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद गूगल से जीआरपी का नंबर निकालकर फोन किया तो दो पुलिसकर्मी मौके पर आए। इसी दौरान ऑपरेटर भी आ गए। करीब 25 मिनट बाद दरवाजा खुला तो सभी बाहर आ सके। गनीमत रहा कि सभी लोग सकुशल बाहर निकल गए। कुछ तकनीकी खराबी के चलते लिफ्ट फंस गया था। मामले की जांच के आदेश दिए गए हैंरू पंकज कुमार सिंह, सीपीआरओ, एनईआर

मोंथा तूफान से धान खरीद को झटका...पहले दिन नहीं हुई बोहनी

बस्ती। मोंथा चक्रवाती तूफान से धान खरीद अभियान को झटका लगा है। एक नवंबर से शुरू हुए अभियान के पहले दिन जिले के 54 सरकारी क्रय केंद्रों में से एक भी केंद्र पर धान की छटांक भर बोहनी नहीं हुई। कुछ केंद्र खुले लेकिन, काफी देर तक कोई किसान नहीं आया तो बंद कर दिए गए। कुछ केंद्रों का ताला ही नहीं खुल सका। विभाग का अनुमान है कि 15 नवंबर के बाद ही यहां धान खरीद शुरू हो पाएगी। बस्ती जिले में इस बार 50 हजार एमटी धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित है। अनुमान था कि जिले के 1.45 हेक्टेयर में धान की इस बार अच्छी पैदावार होगी। एक सप्ताह पहले तक सबकुछ ठीक था। अगेती फसल की कटाई शुरू हो गई थी। बिचौलिए सक्रिय हो चुके थे। किसानों से सीधे धान क्रय करने के लिए वह सीधे संपर्क बनाने लगे थे। इसी बीच मौसम ने अचानक करवट ले ली। पिछले तीन दिनों से लगातार मध्यम गति की वर्षा ने किसान और खरीदार सभी के अरमानों पर पानी फेर दिया। खेत में सूखने के कगार पर पहुंची धान की फसल धराशायी हो गई है। किसानों का कहना है कि चटक धूप होने पर सप्ताह भर बाद ही फसल काटने लायक रहेगी। यदि मौसम में नमी बनी रहेगी तो धान काला भी पड़ सकता है। वह अपनी फसल को लेकर काफी चिंतित है। एक अनुमान के अनुसार 70 प्रतिशत धान के फसल की कटाई होनी अभी बाकी है। कुछ किसानों ने मशीन के बजाय हाथ से कटाई करके फसल खेत में छोड़ी थी। लगातार बारिश से वह चौपट हो गई है।

किसानों का कहना है कि कटी हुई फसल से नमी पाकर अंकुर निकलने लगा है। इस बार ऐन वक्त पर प्रकृति ने धोखा दिया है। धान की पैदावार प्रभावित हो सकती है। गुणवत्ता भी खराब हो सकती है। भींगने की वजह से खुले बाजार में गुणवत्ता का बहाना बनाकर आढ़ती कीमत घटाएंगे। केंद्रों पर भी नमी मापन में धान की गुणवत्ता सटीक न बैठने पर कटौती का प्रतिशत बढ़ाया जा सकता है।

कार्तिक पूर्णिमा व परिक्रमा मेला के चलते भटनी पैसेंजर ट्रेन में बढ़ी भीड़

गौर। अयोध्या धाम में चल रहे कार्तिक पूर्णिमा व परिक्रमा मेला के चलते भटनी जंक्शन से चलकर गोरखपुर, बस्ती, मनकापुर के रास्ते अयोध्या जाने वाली पैसेंजर ट्रेन में श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ रही। गोरखपुर से अयोध्या के बीच कोई मेला स्पेशल ट्रेन न चलाए जाने से पैसेंजर ट्रेन में बेशुमार भीड़ हो रही है। भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन की ओर से 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक गोंडा–अयोध्या धाम मेला अनारक्षित विशेष ट्रेन का संचालन कराया जा रहा है। मेला विशेष ट्रेन गोंडा, मनकापुर, कटरा के रास्ते अयोध्या तक चलाई जा रही है। साथ ही मनकापुर–गोंडा मेला अनारक्षित विशेष ट्रेन का भी संचालन किया जा रहा है।

जबरन जमीन कब्जाने वालों पर ऐसी कार्रवाई हो...ऐसे लोग याद रखें

जनता दर्शन में सीएम योगी का निर्देश

गोरखपुर/लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जनता की समस्याओं के समाधान को संकल्पबद्ध है। किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया वे तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जबरन जमीन कब्जाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। प्रतिकूल मौसम के चलते इस बार जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में किया गया था। जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। सीएम से मिलकर अपनी समस्या बताने वालों में महिलाओं की संख्या अधिक रही। सभागार में कुर्सियों पर बैठे लोगों के पास सीएम योगी खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को इत्मीनान से सुना और समझा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। हर बार की तरह इस बार भी जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के उपचार

के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। उनसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

बिजली कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन, वर्टिकल व्यवस्था लागू का विरोध

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन निविदा,संविदा कर्मचारी संघ लखनऊ की ओर से शनिवार को वर्टिकल व्यवस्था लागू किए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया गया। संगठन ने अधीक्षण अभियंता तालकटोरा कार्यालय पर प्रदर्शन कर उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष को संबोधित ज्ञापन सौंपा।संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि 15 नवंबर से लखनऊ सहित अन्य जनपदों में प्रस्तावित वर्टिकल व्यवस्था लागू की जा रही है, जिसका कर्मचारियों और उपभोक्ताओं दोनों पर नकारात्मक असर पड़ेगा। कर्मचारियों ने कहा कि लखनऊ के 154 बिजली घरों में उपभोक्ता अपनी शिकायतें नजदीकी केंद्र पर दर्ज कराते हैं, जबकि नई व्यवस्था में केवल 21 हेल्प डेस्क बनाए जा रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं को शिकायत दर्ज कराने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी। संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि अबतक 33,000 वोल्ट, 11,000 वोल्ट और बिलिंग से जुड़ी सभी शिकायतों का समाधान एक ही अधिशासी अभियंता से हो जाता था, लेकिन नई व्यवस्था में तीन अलग–अलग अधिकारियों से संपर्क करना पड़ेगा, जिससे उपभोक्ताओं को अतिरिक्त परेशानी होगी। देवेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि वर्टिकल व्यवस्था लागू करने से वर्षों से कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी बेरोजगार हो जाएंगे और पावर कॉर्पोरेशन पर आर्थिक भार भी बढ़ेगा। संगठन ने यह भी बताया कि जिन जनपदों में पहले से यह व्यवस्था लागू की गई है, वहां संबंधित संगठनों ने प्रबंधन से कई सवाल पूछे हैं, लेकिन अब तक किसी निदेशक ने जवाब नहीं दिया है।संघ ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार वर्टिकल व्यवस्था को लागू करने पर अड़ी रही, तो आंदोलन को तेज किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन की होगी।

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार, पिता की तहरीर पर मामला दर्ज

लखनऊ, (संवाददाता)। काकोरी थाना क्षेत्र में किशोरी से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी दुनमुन उर्फ अतीक अहमद को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता के पिता ने अपनी शिकायत में बताया कि उनकी 16 वर्षीय बेटी को दुनमुन उर्फ अतीक अहमद (26) ने बीती रात करीब 10 बजे मारपीट कर बहला–फुसलाकर घर से ले गया। आरोप है कि आरोपी ने गांव में ही बंद पड़े एक मकान के बरामदे में किशोरी के साथ रेप किया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पीड़िता और आरोपी एक–दूसरे को पहले से जानते थे और उनके बीच फोन पर बातचीत होती थी। घटना वाली रात दोनों गांव के एक बंद मकान में मिले थे। जब किशोरी देर रात तक घर नहीं लौटी तो उसके पिता ने तलाश शुरू की। कुछ समय बाद जब वह घर पहुंची, तो पूछताछ में उसने पूरी घटना अपने पिता को बताई। इसके बाद पिता ने काकोरी थाने में शिकायत दर्ज कराई। प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी दुनमुन उर्फ अतीक अहमद को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

आशा बहुओं को चार माह से वेतन नहीं मिला,मल्हौर सीएचसी में धरना जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के मल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में आशा बहू कल्याण समिति का धरना प्रदर्शन जारी है। आशा बहुएं पिछले चार माह से मानदेय न मिलने के विरोध में प्रदर्शन कर रही हैं। प्रदर्शनकारी आशा बहुओं का कहना है कि लगातार कार्य करने के बावजूद उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है। इस वजह से उन्हें वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। प्रदर्शन स्थल पर उपनिरीक्षक अरविंद कुमार द्विवेदी (प्रथम), उपनिरीक्षक अरविंद कुमार द्विवेदी (द्वितीय), उपनिरीक्षक रितेश भदौरिया।

जय श्रीराम का जयकारा मस्जिद तोड़ने का औजार : स्वामी प्रसाद

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा 'जय श्रीराम' और 'जय बजरंगबली' के जयकारे अब मुस्लिम समाज के घरों और मस्जिदों पर तोड़फोड़ करने का औजार बना दिए गए हैं। आज एक धर्म के लोग आतंकवादी गतिविधियों पर उतर आए हैं। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने शनिवार को योगी आदित्यनाथ सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा दलित और मुस्लिम समाज को निशाना बनाया जा रहा है। गरीबों के घर बुलडोजर से गिराए जा रहे हैं, जबकि भाजपा से जुड़े अपराधियों को पूरा संरक्षण दिया जा रहा है। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। मौर्य बोले भाजपा सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ रही है। कहा फतेहपुर के मकबरे पर भी यही नारा लगाकर हमला किया गया। अलीगढ़ में मंदिर में 'आई लव मोहम्मद' लिखकर हिंदू–मुस्लिम दंगा भड़काने की साजिश रची गई। मौर्य ने कहा एनसीआरबी की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश अपराध, रेप, हत्या और जातीय घटनाओं में देश में नंबर वन पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी यही हालात हैं। दलितों और पिछड़ों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। रेप और हत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। भाजपा शासन में अराजक तत्वों की संख्या तेजी से बढ़ी है। सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है, इसलिए उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। मुख्यमंत्री न तो घटनाओं का संज्ञान लेते हैं और न ही कोई कार्रवाई करते हैं। यही कारण है कि गुंडे–माफिया खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। मौर्य ने कहा दो–दो महामहिम राष्ट्रपति को मंदिर में जाने से रोका गया था। अब जज पर जूता फेंका जा रहा है। ये देश के न्याय और संविधान पर हमला है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से यह स्पष्ट है कि भाजपा के शासन में न केवल आम जनता बल्कि न्यायपालिका तक असुरक्षित है। मौर्य ने ऐलान किया कि यदि सुप्रीम कोर्ट में जज पर जूता फेंकने वाले की गिरफ्तारी नहीं होती, तो 3 नवंबर को पूरे प्रदेश के प्रत्येक जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरना–प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारियों को सौंपा जाएगा, जिसमें कानून–व्यवस्था की स्थिति, दलितों पर अत्याचार और सरकार की निष्क्रियता का विरोध दर्ज कराया जाएगा।

महिला क्रिकेट को लेकर यूपीसीए का बड़ा फैसला

प्रसार भारती चेयरमैन नवनीत सहगल बने गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी क्रिकेट एसोसिएशन ने कानपुर में हुई सालाना आम बैठक में नौ नए पदाधिकारियों को शामिल किया, जिससे लखनऊ का रुतबा बढ़ गया। सबसे बड़ी बात प्रसार भारती के चेयरमैन और पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. नवनीत सहगल का महिला क्रिकेट गवर्निंग काउंसिल काचेयरपर्सन के तौर पर अपॉइंटमेंट था। अपॉइंटमेंटयूपीसीए के पुरुषों के लिए सफल यूपी टी 20 लीग के बाद महिलाओं की टी 20 लीग के बड़े प्लान का हिस्सा है। नवनीत सहगल की लीडरशिप में लीग टैलेंट को आगे बढ़ाएगी और उत्तर प्रदेश को नेशनल महिला क्रिकेट में एक लीडिंग राज्य के तौर पर स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। यूपीसीए के सीनियर अधिकारी के मुताबिक, नवनीत सहगल का अनुभव और विजन महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। डॉ. नवनीत कुमार सहगल उत्तर प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी के सबसे असरदार लोगों में से एक हैं। 1963 में पंजाब के फरीदकोट में जन्मे सहगल ने शुरुआती पढ़ाई अंबाला और हरियाणा के भिवानी में की। 1988 बैच के आईएएस ऑफिसर के तौर पर 35 साल तक सर्विस की, जो जुलाई 2023 में खत्म हुई। रिटायरमेंट के बाद भी उनका करियर बना रहा। मार्च 2024 में उन्हें भारत सरकार ने प्रसार भारती का चेयरमैन बनाया, जहाँ वे देश के सबसे बड़े पब्लिक ब्रॉडकास्टर दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो की देखरेख करते हैं।पॉलिटिकल बदलाव की आंधी में भी सहगल का करियर स्थिर रहा। मायावती सरकार में लखनऊ के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट और उनके प्रिंसिपल सेक्रेटरी के तौर पर काम किया। अखिलेश यादव के समय में उन्होंने मीडिया और पब्लिक रिलेशन्स को फिर से जिंदा किया। योगी आदित्यनाथ सरकार में एडिशनल चीफ सेक्रेटरी के तौर पर इन्फॉर्मेशन, स्पोर्ट्स और यूथ वेलफेयर ,एमएसएमई डिपार्टमेंट संभाले, ष्वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्टष् जैसी स्कीमों को बढ़ावा दिया। यूथ एम्पावरमेंट पर फोकस किया। डॉ. सहगल के अलावा।

2 हजार डॉग्स के लिए 2 शेल्टर बनेंगे, 9 हजार वर्गमीटर एरिया तय, रैबीज डॉग्स का इलाज होगा

नोएडा, (संवाददाता)। नोएडा में आवारा कुत्तों के प्रबंधन को व्यवस्थित और मानवीय बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण बड़ा कदम उठाने जा रहा है। सेक्टर–123 में दो नए डॉग शेल्टर विकसित किए जाएंगे, जो लगभग एक एकड़ क्षेत्र में बनेंगे। प्रत्येक शेल्टर में करीब एक हजार बीमार, रैबीज से संक्रमित और आक्रामक कुत्तों को रखने की व्यवस्था होगी। यहां पशु चिकित्सक, उपचार कक्ष, भोजन और सुरक्षित आवास की पूरी सुविधा दी जाएगी, ताकि ऐसे कुत्तों की देखभाल हो सके जिन्हें सार्वजनिक स्थलों पर नहीं छोड़ा जा सकता। यह कदम सुप्रीम कोर्ट के 22 अगस्त 2025 के आदेश के बाद उठाया गया है। अदालत ने देशभर के निकायों को निर्देश दिया था कि आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण कर उन्हें वापस उनके क्षेत्र में छोड़ा जाए। हालांकि, रैबीज से संक्रमित या आक्रामक कुत्तों को शेल्टर में ही रखा जाएगा। वर्तमान में प्राधिकरण सेक्टर–94 में एक शेल्टर चला रहा है, जहां 1,000 कुत्तों की देखभाल हो रही है और प्रतिदिन लगभग 50 कुत्तों की नसबंदी की जाती है। ओएसडी महेंद्र प्रसाद के अनुसार, यहां डॉक्टर नियमित रूप से बीमार और रैबीज प्रभावित कुत्तों का उपचार भी करते हैं। प्राधिकरण दो एनजीओ के साथ शहरभर में रैबीज टीकाकरण अभियान भी चला रहा है। साथ ही, नोएडा में 1,200 निर्धारित डॉग फीडिंग पॉइंट बनाने की योजना है, जिन्हें आरडब्ल्यूए और स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर तैयार किया जाएगा। 2.5 करोड़ रुपए की इस परियोजना का मकसद फीडिंग व्यवस्था को नियंत्रित करना और निवासियों व डॉग फीडर्स के बीच होने वाले विवाद को कम करना है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, केवल चिह्नित स्थानों पर ही कुत्तों को खाना खिलाया जा सकेगा, अन्यथा कार्रवाई की जा सकती है।

डॉग देख भाल और शिकायतों के समाधान के लिए प्राधिकरण ने हेल्पलाइन नंबर 0120–2425025 जारी किया है और जल्द ही 24 घंटे की टोल–फ्री सुविधा भी शुरू होगी। साथ ही, शहर में आवारा डॉग्स की मैपिंग के लिए सर्वे शुरू किया गया है जिसमें आरडब्ल्यूए, एओए और एनजीओ

सहयोग करेंगे। सर्वे में नसबंदी, टीकाकरण और आक्रामक कुत्तों की संख्या व फोटो रिकॉर्ड की जाएगी।

रिटायर्ड आईएएस की विकलांग बहन का उत्पीड़न, भाई की मौत के बाद घर से निकाला

नोएडा, (संवाददाता)। सेक्टर 15ए में रहने वाले एक रिटायर्ड आईएएस की विकलांग बहन ने उत्पीड़न करने के आरोप में भाभी और दो भतीजियों के खिलाफ फेज वन थाने में केस दर्ज कराया है। आरोप है कि उनके खाते से फर्जी साइन कर 25 हजार रुपए निकाल लिए गए। साथ ही रिटायर्ड आईएएस भाई की मौत के बाद उन्हें कोठी से बाहर कर दिया गया। पीड़िता बोल नहीं पाती है। इस वजह से अपने पैतृक गांव बुलंदशहर के एक मंदिर में जाकर गुजर बसर कर रही है। पीड़िता का आरोप है कि उसके भाई के मौत के बाद भाभी और भतीजियों ने उत्पीड़न किया है। मामले में पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दमयंती सिंह ने बताया कि वह जन्म से विकलांग हैं। उनके भाई यशराज सिंह एक रिटायर्ड आईएएस थे। जिनकी 2019 में मौत हो गई। उन्हीं के आश्रय पर पीड़िता जीवन जी रही थी। वह बुजुर्ग हो चुकी हैं। आरोप है कि भाई के मौत के बाद भाभी अल्का सिंह, मेघा और राधिका ने उन्हें कोठी से बाहर कर दिया। जिस वजह से पीड़िता बुलंदशहर के एक मंदिर पर रहती है। यहीं नहीं आरोप यह भी है कि पीड़िता के नाम से और उसके भाई के नाम पर एक ज्वाइंट बैंक अकाउंट है। जिससे भाभी अल्का सिंह और मेघा, राधिका ने मिलकर 25 हजार रुपए निकाल लिए हैं। पीड़ित ने जानकारी की तो पता चला कि उसके भाभी अल्का सिंह नाम के बैंक अकाउंट में रुपये ट्रांसफर हुए हैं। पीड़िता ने पुलिस को सबूत भी दिए हैं। हालांकि मामले में पुलिस जांच शुरू कर दी है।

युवक ने 20वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

नोएडा, (संवाददाता)। ग्रेटर नोएडा के बिसरख कोतवाली क्षेत्र की गौर सिटी–2 स्थित 14 एवेन्यू सोसायटी में शुक्रवार दोपहर एक युवक ने 20वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद सोसायटी में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मृतक की पहचान 36 वर्षीय विपिन सिंह के रूप में हुई है, जो हरियाणा के रेवाड़ी जिले के धारूहेड़ा का निवासी था। वह हीरो कंपनी में कार्यरत था और हाल ही में अपनी बहन के घर गौर सिटी–2 के 14 एवेन्यू में मिलने आया हुआ था। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर विपिन अचानक बिल्डिंग की 20वीं मंजिल से कूद गया। गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही बिसरख थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। परिजनों ने बताया कि कुछ देर पहले तक विपिन सामान्य था और परिवार के साथ बातचीत कर रहा था। अचानक उठाए गए इस कदम से सभी स्तब्ध हैं। पुलिस परिवार से पूछताछ कर आत्महत्या की वजह जानने का प्रयास कर रही है।

नव भारत दर्पण संस्था ने वृद्धाश्रम का दौरा किया, लोगों से बातकर हाल चाल जाना

नोएडा, (संवाददाता)। नव भारत दर्पण संस्था के सदस्यों ने शनिवार को समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रम का दौरा किया। इस दौरान संस्था की सदस्य रेखा गुर्जर, काव्या भाटी।

यातायात सुरक्षा जागरूकता माह 2025 शुरू, मंडलायुक्त और डीआईजी ने किया अभियान का शुभारंभ

बांदा, (संवाददाता)। बांदा में ष्यातायात सुरक्षा जागरूकता माह नवंबर–2025ष का शुभारंभ किया गया। चित्रकूटधाम मंडल बांदा के मंडलायुक्त अजीत कुमार और चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा के पुलिस उपमहानिरीक्षक राजेश एस. ने खूंटी तिराहा रामलीला मैदान से इस अभियान की शुरुआत की। यह व्यापक अभियान पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में चलाया जाएगा। इसमें अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज के मार्गदर्शन और सहायक पुलिस अधीक्षकक्षेत्राधिकारी यातायात मेविस टॉक के नेतृत्व में सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है। इसमें बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन न चलाने, बिना हेलमेट दुपहिया वाहन न चलाने, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने, शराब पीकर गाड़ी न चलाने और अपनी लेन में चलने जैसे बिंदुओं पर जोर दिया जाएगा। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान बिना हेलमेट लगाए दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने यातायात जागरूकता रैली निकाली, जिसने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। अपने संबोधन में मंडलायुक्त अजीत कुमार ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करना केवल पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने नागरिकों से भी नियमों का पालन कर एक सभ्य और शिक्षित समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। पुलिस उपमहानिरीक्षक राजेश एस. ने हेलमेट के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार क्रिकेट खिलाड़ी हेलमेट पहनकर दुर्घटनाओं से बचते हैं, उसी प्रकार वाहन चलाते समय हेलमेट सिर को गंभीर चोटों से सुरक्षा प्रदान करता है। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने बताया कि भारत में प्रतिवर्ष सड़क दुर्घटनाओं में दो लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हो जाती है, जो किसी भी अन्य आपदा से कहीं अधिक है। उन्होंने सभी से यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने की अपील की और चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एएमयू में राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम जारी, शपथ समारोह और फिटनेस गतिविधियों का आयोजन

अलीगढ, (संवाददाता)। महान स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर मनाए गए राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में विभिन्न विभागों, कार्यालयों, छात्रावासों और स्कूलों द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन जारी रहा। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और फिटनेस के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराना था। रसायन विज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जेबा एन. सिद्दीकी के निर्देशन में राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्रों ने सरदार पटेल के जीवन, विचारों और राष्ट्र निर्माण में सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व पर विचार किया। एएमयू की एनएसएस इकाई ने भी 'राष्ट्रीय एकता शपथ' और 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया। कार्यक्रम अधिकारियों और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान को याद किया। कार्यक्रम राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ। बिहार स्थित एएमयू किशनगंज सेंटर में भी शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने एकता शपथ लेकर राष्ट्रीय अखंडता के मूल्यों को दोहराया। वक्ताओं ने सरदार पटेल की देश को जोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से इन आदर्शों को अपनाने की अपील की। अहमदी स्कूल फॉर द विजुअली चौलेंज्ड में प्रिंसिपल डॉ. नायला राशिद की देखरेख में कार्यक्रम आयोजित हुआ। उन्होंने छात्रों और स्टाफ से सरदार पटेल के आदर्शों पर चलने, अनुशासन, सहयोग और परस्पर सम्मान की भावना के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के अन्य विभागों, केंद्रों, आवासीय हॉलों और स्कूलों में भी एकता दिवस की भावना के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए और राष्ट्रीय एकता के प्रति कर्तव्य भावना को दोहराया गया। एसटीएस स्कूल में प्रिंसिपल फैसल नफीस ने शपथ दिलाई और उसके बाद 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। नफीस ने सरदार पटेल की देश की एकता में अद्वितीय भूमिका।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, लालगंज अध्यक्ष विवेक शर्मा ने जिले के अधिकारियों से मिलकर व्यापारियों की समस्याओं पर सौपा ज्ञापन

लालगंज रायबरेली। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल लालगंज नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियो ने जिले के पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह,पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिशासी अभियंता प्रमोद कुमार राणा,सेल टैक्स डिप्टी कमिश्नर डॉ शिखा गुप्ता,डिप्टी कमिश्नर परमहंस, को व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौपा है। नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा ने पुलिस अधीक्षक रायबरेली को ज्ञापन देकर बताया कि आगामी कार्तिक पूर्णिमा का दो दिवसीय प्रांतीय मेला डलमऊ गेगासो में लगता है जिसमें हजारों की संख्या श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए आते हैं और लालगंज नगर में ऐतिहासिक हटिया मेला लखनऊ रोड पर लगता है जिसमें भारी वाहनों के आवागमन से मेला में बड़ी अव्यवस्था होती है । व्यापार मंडल ने पुलिस अधीक्षक से भारी वाहनों के लिए डाइवर्जन की बात कही जिस पर पुलिस अधीक्षक ने जल्द ट्रैफिक इंचार्ज व ट्रैफिक सी ओ से बैठक कर डाइवर्जन करने की बात कही ।अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग खंड–2 प्रमोद सिंह राणा से मिलकर ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि लालगंज नगर के चारों ओर व नगर के अंदर सेमरपहा से तहसील तक गड्ढों में तब्दील रोड व हनुमान मंदिर बेहटा चौराहे से चिकवाही मंडी होते हुए तिकोना पार्क तक सड़कें जर्जर हो गई है। अधिशासी अभियंता ने लोक निर्माण विभाग जेई अमित कुमार सिंह को आदेश करते हुए तत्काल रोड बनवाने की बात कही । जिला अध्यक्ष रोहित सोनी ने सेल टैक्स डिप्टी कमिश्नर डॉक्टर शिखा गुप्ता को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि जिले में व्यापार बन्धु की बैठक प्रतिमाह कई वर्षों से हो रही है लेकिन व्यापार मंडल लालगंज के पदाधिकारियों को सूचना नहीं दी जाती है। अविलंब सूचना सूची में संगठन को शामिल कर सूचना देने की बात करी जिस पर डिप्टी कमिश्नर परमहंस ने कहा कि अगले माह से होने वाली बैठक में व्यापार मंडल लालगंज को अवश्य शामिल कर सूचित किया जाएगा । जिला महामंत्री अप्पू शर्मा ने बताया कि लगातार व्यापारियों की समस्या मासिक बैठक में एजेंडा तय कर कर संबंधित विभाग के अधिकारियों से वार्ता की जाती है और व्यापारियों की समस्याएं अधिकारियों से मिलकर हल करने पर काम किया जाता है ।आज संबंधित विभाग के अधिकारियों से मिलकर कई कामो को सफल बनाने का काम किया गया है। नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा जिला अध्यक्ष रोहित सोनी जिला महामंत्री अप्पू शर्मा नगर उपाध्यक्ष शीलू त्रिवेदी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लोगों को किया संबोधित

लालगंजरायबरेली।आधुनिक भारत के निर्माता, राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के प्रतीक, महान स्वतंत्रता नायक , स्वतंत्र भारत के प्रथम उप–प्रधानमंत्री, भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती पर बूथ संख्या 139 पूरे नोखेराय – बेहटा कला में उनकी प्रतिमा पर पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने माल्यार्पण करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने लौह पुरुष को समर्पित ष्राष्ट्रीय एकता दिवसष् की सभी सरेनी क्षेत्र वासियों को बधाई देते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदुस्तान की एकता, अखंडता को अक्षुण्य बनाने के लिए देश की जनता उन्हें सदैव यादरखेगी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सरदार पटेल के विचारों से प्रेरणा लेकर आज राष्ट्रीय एकता की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से सरदार पटेल के विचारों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित और समाज हित में काम करने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर सरकार का मनोज सिंह फ्रेंचाइजी सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरिता गुप्ता ने मनाई पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि

लालगंजरायबरेली।अविचल नारी शक्ति, अटूट राष्ट्रनिष्ठा और अदम्य साहस की प्रतिमूर्ति, राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान की प्रहरी, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न, श्आयरन लेडीश स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर नगर पंचायत लालगंज के अध्यक्ष श्रीमती सरिता गुप्ता और जिला कांग्रेस के कोषाध्यक्ष दीपेंद्र गुप्ता ने उनके चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया है। इस अवसर पर बोलते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी का दूरदर्शी नेतृत्व, अटूट संकल्प, और राष्ट्र के प्रति समर्पण हमेशा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। जिला कोषाध्यक्ष दीपेंद्र गुप्ता ने कहा कि श्रद्धेय श्रीमती इंदिरा गांधी की कर्मनिष्ठा, निर्भीक निर्णय शक्ति और अविरल सेवा भावना भारत के इतिहास में सदा अमिट रहेगी। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में भारत की सीमाएं सुरक्षित थी और उन्होंने पाकिस्तान को भी सबक सिखाने का काम किया था। आज उनके विचारों से प्रेरणा लेकर काम करने की जरूरत है।इस अवसर पर सभासद मंजरुल हसन सहित अन्य लोग मौजूदरहे।

कांग्रेस नेताओं ने वल्लभभाई पटेल और श्रीमती इंदिरा गांधी को अर्पित किये श्रद्धा सुमन

लालगंजरायबरेली।भारत रत्न लौह पुरुष श्रद्धेय सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं भारत की पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय इंदिरा गांधी जी की शहादत दिवस पर ब्लॉक कांग्रेस सरेनी एवं लालगंज में उनके चित्रों पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें और उनके विचारों को जीवंत रखने हेतु गोष्ठी के माध्यम से उन्हें याद किया गया। जिला उपाध्यक्ष महेश प्रसाद शर्मा ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी के राष्ट्र हित के विचारों से प्रेरणा लेकर काम करने की जरूरतहै। वही जिला सचिव कामता प्रसाद गौड़ ने कहा कि इंदिरा गांधी ने आयरन लेडी के रूप में पाकिस्तान को सबक सिखाने का काम किया था।कार्यक्रम में जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष महेश प्रसाद शर्मा ,जिला सचिव प्रभारी सरेनी कामता प्रसाद गौड़ ,ब्लाक अध्यक्ष नीरज कुमार शुक्ला, संतोष जायसवाल ,मयंक यादव, बजरंग सिंह, राकेश शुक्ला, रामकुमार पासवान ,कमल सिंह चौहान, नितिन मिश्रा, कृष्ण कुमार तिवारी ,राजनरायन यादव, राजेंद्र बहादुर सिंह आदि भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे ।?

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गयी सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती

रायबरेली,संवाददाता। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने शिक्षकधशिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों के साथ सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। प्रधानाचार्य श्री प्रजापति ने विद्यार्थियों को सरदार पटेल के जीवन, राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान और एकता के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि पटेल जी ने स्वतंत्रता के बाद 565 रियासतों को सफलतापूर्वक भारत संघ में शामिल कर स्वतंत्र भारत के एकीकरण में जो योगदान दिया, वह सदैव प्रेरणा स्रोत रहेगा। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति पर अपने विचार व्यक्त किये, अंत में सभी को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के उप–प्रधानाचार्य फैजान खान, संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शिवकरन पाल, शाहीन खान, अजय सिंह, गिरीश श्रीवास्तव सहित समस्त शिक्षकधशिक्षिकाएं, एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाई गई लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती

रायबरेली,संवाददाता। "सरदार/150 दृ एक भारत आत्मनिर्भर भारत" अभियान के अंतर्गत लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती जनपद रायबरेली में धूमधाम एवं उत्साह पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर एकता, अखंडता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा0 राज्यसभा सांसद श्री संजय सेठ ने मा0 विधान परिषद सदस्य मुकेश मिश्रा, मा0 सलोन विधायक अशोक कुमार, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह एवं जिला भाजपा अध्यक्ष बुद्धिलाल के साथ बस स्टेशन चौराहा स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। माल्यार्पण के पश्चात बस स्टेशन चौराहे से एक भव्य "एकता पदयात्रा" निकाली गई, जो अस्पताल चौराहा, डिग्री कॉलेज चौराहा होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर तक पहुंची। इस पदयात्रा में जिला प्रशासन के अधिकारियों, पीआरडी जवानों, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली बच्चों, सफाई कर्मियों, युवा मंगल दल, पीएसी जवानों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर सांसद संजय सेठ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि "एक भारत आत्मनिर्भर भारत" का सपना तभी साकार होगा जब देशवासी एकजुट रहकर एकता और अखंडता को सर्वोपरि मानेंगे। उन्होंने सभी से 26 नवंबर तक चलने वाले इस अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। इस अवसर पर एमएलसी मुकेश मिश्रा ने कहा कि सरदार पटेल के विचार आज भी देश को एक सूत्र में पिरोए रखने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि "एक भारत श्रेष्ठ भारत" अभियान के माध्यम से हमें गांव–गांव, घर–घर तक एकता का संदेश पहुंचाना चाहिए।

विधिक सलाहकार अमित आनन्द तिवारी (अधिवक्ता उच्चतम न्यायालय)
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आरजू खान द्वारा सीता आफसेट, 75 पूराना किला केन्ट रोड हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित कराकर एच 615 मलेसेमऊ गोमतीनगर विस्तार लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक आरजू खान मोबाइल: ०9415282००० फोन नं. ०522–29682०० RNI No: UPHIN/2016/67528 Email: statementttodaynews@gmail.com
AgencyChannel: www.statementtodaynews.com
राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखक के विचार व्यक्तिगत हैं किसी भी प्रकार के विवाद के समाधान के लिए न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा। (समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है)

सरदार पटेल ने रखी 563 रियासतों को जोड़कर अखंड भारत की नींव : योगी

लखनऊ,संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का शुभारंभ किया। उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की अखंडता और एकता के लिए जिन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उन लौह पुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन, समर्पण और त्याग हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। इस राष्ट्रीय एकता दिवस पर हम संकल्प लें कि जाति, भाषा, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से ही देश में उन महान सपूतों को सम्मान देने की परंपरा शुरू हुई है, जिन्होंने भारत को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। आज पूरे देश में 600 से अधिक स्थानों पर रन फॉर यूनिटी के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना को प्रबल करने का यह अभियान चलाया जा रहा है। हमारी भारतीय परंपरा में कहा गया है कि शिवो भूत्वा शिवं यजेत, अर्थात जिसे हम पूजते हैं, उसके अनुरूप हमें स्वयं को ढालना चाहिए। केवल भाषणों में नहीं बल्कि व्यवहार में भी एकता और अखंडता के मूल्यों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केवड़िया गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के रूप में सरदार पटेल की स्मृति को जीवंत बनाया गया है, जो आज राष्ट्रीय प्रेरणास्थली बन चुकी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश साजिशों को नाकाम करते हुए 563 रियासतों को भारत गणराज्य में शामिल कर अखंड भारत का निर्माण किया। जब हैदराबाद और जूनागढ़ की रियासतों ने भारत में विलय से इनकार किया, तब लौह पुरुष ने पहले संवाद का रास्ता अपनाया लेकिन जब राष्ट्र की अखंडता पर संकट आया तब कठोर निर्णय लेकर भारत की एकता को सुरक्षित किया। उन्होंने साफ कहा था कि भारत की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं। सीएम ने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर अखंड भारत के उस संकल्प को साकार किया, जो सरदार पटेल ने देखा था। यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश से सांस्कृतिक दल और हस्तशिल्पियों का प्रतिनिधिमंडल केवड़िया जाएगा। राज्यपाल के नेतृत्व में 12 नवंबर को केवड़िया में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी अभियान को मजबूती देने के साथ उत्तर प्रदेश के कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने का यह अवसर भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी 75 जनपदों में आज रन फॉर यूनिटी के कार्यक्रम हुए, जिनमें लाखों युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, प्रशासनिक अधिकारियों और नागरिकों ने भाग लेकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है।मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि हमें कुत्सित प्रयासों का विरोध करना चाहिए जो जातिवाद, परिवारवाद या छुआछूत के आधार पर समाज को बांटने का काम करते हैं। राष्ट्रीय एकता दिवस का यही संदेश है कि हम सब मिलकर भारत की अखंडता को सशक्त बनाएं और सामाजिक एकता को मजबूत करें। सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें हर उस शक्ति का विरोध करना चाहिए जो राष्ट्र की एकता को कमजोर करने का प्रयास करती है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल एवं विधायक उपस्थित रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दीं और भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल को विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं प्रदेश वासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की हार्दिक बधाई। भारत की आंतरिक सुरक्षा और अखण्डता हेतु सरदार साहब द्वारा किए गए अथक प्रयास हमें एक भारत–श्रेष्ठ भारत की संकल्पना की सिद्धि हेतु सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

वोटर लिस्ट से नाम काटकर लोगों के मतदान का अधिकार खत्म करने की साजिश कर रही बीजेपी : सपा

लखनऊ,संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) की ओर से शुक्रवार को लखनऊ के बख्शी का तालाब क्षेत्र के पलहरी गांव और हापुड़ के राजपुर मड़ैया में पीडीए पंचायत एवं पीडीए चौपाल का आयोजन किया गया। इन सभाओं में पार्टी नेताओं ने भाजपा सरकार पर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और लोकतांत्रिक अधिकारों की उपेक्षा का आरोप लगाया। लखनऊ में महिला सभा की पीडीए पंचायत बख्शी का तालाब के पलहरी गाँव में आयोजित राष्ट्रीय महिला सभा की पीडीए पंचायत के मुख्य अतिथि मोहनलालगंज के सांसद आर. के. चौधरी रहे। उन्होंने कहा कि सरकार निरंतर शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि पर बजट घटा रही है। किसान परेशान हैं और महिलाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने उपस्थित जनों से वोटर लिस्ट पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संविधान विरोधी है और वोटर लिस्ट से नाम काटकर लोगों के मतदान के अधिकार को खत्म करने की साजिश कर रही है। सूचना का अधिकार भी सरकार खत्म करने की ओर बढ़ रही है। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल, जिला महासचिव शब्बीर खान, पूर्व राज्यमंत्री राम सिंह राणा, जिलाध्यक्ष प्रेमलता यादव तथा सचिव वीणा रावत सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शब्बीर खान ने किया। हापुड़ जिले के राजपुर मड़ैया में आयोजित समाजवादी स्वजन पीडीए चौपाल में राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने सदैव किसानों, नौजवानों और गरीबों के लिए काम किया है। अब समय है कि 2027 में समाजवादी सरकार बनाकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाया जाए। सभा में उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे धर्म और आस्था के नाम पर राजनीति करने वाली तथा सरकारी संस्थाओं को पूंजीपतियों के हवाले करने वाली भाजपा सरकार को सत्ता से हटाएंगे। इस अवसर पर हापुड़ जिलाध्यक्ष बबलू गुर्जर, पूर्व प्रत्याशी रविंद्र गुर्जर, मोहित प्रजापति, नीटू प्रजापति (जिला सचिव मेरठ), वेदपाल प्रजापति (लोनी गाजियाबाद), महक सिंह जाटव, अमित प्रजापति (गाजियाबाद) सहित अनेक समाजवादी नेता उपस्थित रहे।

बौद्ध भिक्षु संघ के अध्यक्ष भदंत ज्ञानेश्वर का निधन, मायावती ने जताया दुख

लखनऊ,संवाददाता। कुशीनगर से दुखद समाचार है कि बौद्ध भिक्षु संघ के अध्यक्ष भदंत ज्ञानेश्वर का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे वर्मा देश (म्यांमार) के मूल निवासी थे और कई वर्षों से कुशीनगर में रहकर बौद्ध धर्म के प्रचार–प्रसार में समर्पित थे। बौद्ध भिक्षु के निधन पर उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बसपा सुप्रीमो मायावती ने शोक प्रकट किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा परमपूज्य बोधिसत्व बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के धम्मदीक्षा गुरु पूज्य भदन्त चन्द्रमणि महास्थवीर के सुयोग्य उत्तराधिकारी पूज्य भदन्त ज्ञानेश्र महास्थवीर जी, अध्यक्ष, कुशीनगर भिक्खु संघ का लगभग 90 वर्ष की आयु में आज देहावसान हो गया है। देश–विदेश में फैले उनके अनुयायियों में अपार शोक एवं दुःख व्याप्त है। भदन्त ज्ञानेश्वर जी का देहावसान ना केवल बौद्ध जगत के लिए बल्कि मानव समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। भदन्त ज्ञानेश्वर महास्थवीर जी का सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक तथा सांकृतिक क्षेत्र में उनका रहा योगदान अनुकरणीय है। मैं अपनी व पार्टी की तरफ से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। आप को बता दें कि भदंत ज्ञानेश्वर ने कुशीनगर में प्रसिद्ध वर्मीज पैगोडा का निर्माण करवाया था, जो आज बौद्ध श्रद्धालुओं के प्रमुख तीर्थ स्थलों में गिना जाता है। उन्होंने बौद्ध धर्म की शिक्षाओं को जन–जन तक पहुंचाने में अपना जीवन समर्पित किया। भदंत ज्ञानेश्वर बौद्ध संस्थान के अध्यक्ष भी रहे और उनके नेतृत्व में संस्था ने कई सामाजिक और धार्मिक कार्य किए। उनके निधन से कुशीनगर और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध समुदाय में गहरा शोक व्याप्त है।

डंडा लेकर किसानों ने मंडलायुक्त कार्यालय घेरा,गेट बंद किया

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन अवध गुट ने विरोध प्रदर्शन किया। हाथों में लाठी लेकर किसानों ने मंडलायुक्त कार्यालय घेरा। इस दौरान नाराज किसानों ने कार्यालय का गेट बंद।

लखनऊ, कानपुर, आगरा सहित छह जिलों में होगा विशेष विकास कार्य, योगी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के औद्योगिक और बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बन रहे एक्सप्रेसवे केवल सड़कें नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की आर्थिक रीढ़ हैं। ये प्रोजेक्ट आने वाले वर्षों में निवेश, उद्योग और रोजगार के नए अवसरों का आधार बनेंगे। मुख्यमंत्री ने यह बातें शुक्रवार को उत्तर प्रदेश इंडस्ट्रियल एक्सप्रेसवे डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहीं।